पटना ●मंगलवार, 15 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6, अंकः97 www.bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर
"खबरों से समझौता नहीं"

धूमधाम से मनाई गई बाबा अंबेडकर... 3 www. bordernewsmirror.com छोरी 2 मूवी रिव्यू : सोहा... 7

'पॉकेट वीटो' केस में सुप्रीम कोर्ट जाएगी केंद्र सरकार

● राज्यपाल के अधिकार मामले में दाखिल करेगी रिव्यू पिटीशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा द्वारा पारित किए गए 10 विधेयकों को लंबे समय तक राज्यपाल आरएन रवि की मंजूरी ना मिलने के मामले में हाल सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए बिल पर फैसला लेने के लिए समयसीमा भी तय कर दी। अब इस मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का फैसला लिया है।
केंद्र इसी सप्ताह रिव्यू पिटीशन दाखिल कर सकती है। केंद्र सरकार का मानना है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा तय करने से संवैधानिक अराजकता बढ़ सकती है।
इस मामले में केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। इस मामले में विधि विभाग से भी राय ली जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा विचार के लिए प्रेषित विधेयकों पर विचार करने का संदर्भ मिलने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना चाहिए।
ऐसा पहली बार है जब राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समयसीमा तय की गई हो। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि राज्यपाल के पास 'पॉकेट वीटो' यानी किसी भी फाइल को अनिश्चित काल तक अपने पास लंबित रखने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी जिक्र किया कि राज्य स्तर पर राज्यपाल के पास यह ताकत नहीं रहती कि वो फैसला ले पाए कि किस बिल को संवैधानिक कोर्ट में भेजना है या नहीं।
ऐसे में संविधान तो सिर्फ एक ही रास्ता दिखाता है, राज्यपाल उस बिल को राष्ट्रपति के पास भेज दे और फिर राष्ट्रपति आर्टिकल 143 का इस्तेमाल करें। सर्वोच्च अदालत के मुताबिक सरकारिया कमीशन भी स्पष्ट रूप से कह चुका है कि राष्ट्रपति को सुझाव ले सकता है। केन्द्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असहज महसूस कर रही है।

चीन के बाद अब अमेरिका की बलूचिस्तान में होगी एंट्री

● पाकिस्तान में लीज पर माइनिंग करेगा यूएस

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान अपने सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में विद्रोह झेल रहा है। ऐसे में वह अब इस इलाके में अमेरिका की एंट्री कराने का प्लान बना रहा है। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने अमेरिका को माइनिंग लीज देने का प्लान बनाया है। इसका मकसद अरबों डॉलर के खनिज संसाधनों का खनन और साथ में बलूच विद्रोहियों के हमले को रोकना है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान की शहबाज सरकार और सेना का मानना है कि यदि अमेरिका इस क्षेत्र में निवेश करता है तो बलूच के हमले कम हो जाएंगे। और यदि हमले होते हैं तो अमेरिका ही बलूच विद्रोहियों से निपटेगा और अपने निवेश की सुरक्षा करेगा। एक सैन्य सूत्र ने भास्कर को बताया कि सेना का मानना है कि अमेरिका की एंट्री मतलब सिर्फ डॉलर नहीं, ड्रोन भी होंगे। इससे विद्रोह को कुचलना आसान होगा।

वक्फ कानून ठीक होता तो मुसलमान पंचर नहीं बनाते

● हरियाणा में पीएम बोले-कांग्रेस मुस्लिम को अध्यक्ष बनाए

● प्रधानमंत्री ने हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई

हिसार/यमुनानगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को हरियाणा दौरे पर रहे। सुबह करीब 10 बजे उन्होंने हिसार में हरियाणा के पहले एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। यहां से हिसार-अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम यमुनानगर पहुंचे। यहां उन्होंने 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट, कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शिलान्यास और रेवाड़ी बाइपास का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा-देश आजाद होने के बाद 2013 तक वक्फ का

कानून चलता था। 2013 में कांग्रेस ने कानून में संशोधन कर दिया, ताकि चुनाव में वोट पा सकें। कानून को ऐसा बना दिया कि बाबा साहेब के संविधान की ऐसी-तैसी कर दी। इसका सही उपयोग होता तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर नहीं बनाने पड़ते। पीएम बोले-कांग्रेस कहती है कि ऐसा मुसलमानों के हित में किया, लेकिन अध्यक्ष अब तक नहीं बनाया।

● **हवाई चप्पल पहनने वाला भी जहाज में उड़ेगा-** पीएम मोदी ने कहा, अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि अयोध्या से सीधी जुड़ गई है। बहुत जल्द हिसार से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। मेरा वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। 10 सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है।

कांग्रेस के लोग यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध कर रहे

उन्होंने कहा,कांग्रेस ने हमारे पवित्र संविधान को सत्ता हासिल करने का एक हथियार बना दिया है। जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। कांग्रेस ने संविधान की स्पिरिट को कुचला। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं कहता हूं यूनिफॉर्म सिविल कोड, लेकिन कांग्रेस ने इसे कभी लागू नहीं किया। उत्तराखंड में बीजेपी सरकार आने के बाद यूसीसी डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं। मोदी ने कहा, हरियाणा की गाड़ी अब विकास के पथ पर दौड़ रही है। कांग्रेस शासित राज्यों में जनता के साथ विश्वासघात हो रहा है। पड़ोस में देखिए, हिमाचल में सारे काम ठप पड़े हैं। कर्नाटक में देखिए, हर चीज महंगी हो रही है। कर्नाटक में जो कांग्रेस सरकार ने टैक्स लगाए हैं, उनकी सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब आलोचना की है। खुद वहां के मुख्यमंत्री के करीबी कहते हैं कि कांग्रेस ने कर्नाटक को करप्शन में नंबर वन बना। तेलंगाना में भी कांग्रेस की सरकार जंगलों पर बुलडोजर चला रही है।

40 दिन बाद भतीजे आकाश को मायावती ने किया माफ

बसपा में वापसी कराई; बोलीं- उत्तराधिकारी नहीं बनाऊंगी

लखनऊ (एजेंसी)। आकाश आनंद को उनकी बुआ और बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को माफ कर दिया। बसपा से निकाले जाने के 41वें दिन आकाश की फिर से पार्टी में एंट्री हो गई है। आकाश पार्टी से हटाए जाने से पहले नेशनल कोऑर्डिनेटर और बसपा प्रमुख के उत्तराधिकारी थे। मायावती ने साफ कर दिया है कि जब तक वे स्वस्थ्य रहेंगी, किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाएंगी। मायावती ने यह भी कहा- आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां माफी के लायक नहीं हैं। उन्होंने गुटबाजी और पार्टी विरोधी काम किए। आकाश के करियर को भी बर्बाद करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। माफी मिलने के दो घंटे पहले आकाश आनंद ने मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। आकाश मायावती के सबसे छोटे भाई आनंद के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 15 महीने में 2 बार उत्तराधिकारी घोषित किया, लेकिन दोनों ही बार हटा दिया था। 3 मार्च को उन्हें पार्टी से भी निकाल दिया था। मायावती ने कहा- आकाश आनंद को एक और मौका दिए जाने का निर्णय लिया है। जब तक पूरी तरह से स्वस्थ्य रहूंगी, काम करती रहूंगी। उत्तराधिकारी बनाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है।

अब अमृतपाल सिंह को सीएम बनाने की तैयारी

अकाली दल वारिस पंजाब दे ने 2027 के लिए बनाया उम्मीदवार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की खडूर साहिब सीट से सांसद अमृतपाल सिंह फिलहाल असम की जेल में बंद है। इधर, उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाने की चर्चाएं तेज हो रही हैं। पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव 2027 में होने हैं। पंजाब पुलिस ने 2023 में अमृतसर के बाहरी इलाके में एक पुलिस थाने पर हमला करने के आरोप में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था और असम के डिब्रूगढ़ की एक स्थानीय अदालत से 'ट्रांजिट रिमांड' हासिल की थी। द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने

रविवार को सिंह को अगला सीएम उम्मीदवार बनाने का ऐलान किया है। पार्टी ने तलवंडी साबो में आयोजित बैसाखी कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की है। रिपोर्ट के अनुसार, फरीदकोट सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले डेढ़ साल तक अमृतपाल सिंह का प्रचार करने की अपील की है। साल 2022 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर कांग्रेस को बड़े अंतर से हराया था। पार्टी ने 92 सीटों पर जीत दर्ज कर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था। उस दौरान कांग्रेस ने 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि, शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे। एक ओर जहां शिअद को 3 सीटें मिली थीं।

5 किमी ऊपर उड़ रहे ड्रोन को चंद सेकंड्स में कर देगा भस्म

● भारत को मिला स्टार वॉर्स जैसा स्वदेशी लेजर वेपन, सिग्नल भी जाम करेगा

कुरनूल (एजेंसी)। भारत ने 30-किलोवॉट लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) एमके-2 (ए) सिस्टम का परीक्षण किया है, जो दुश्मन के फिक्स्ड-विंग ड्रोन, स्वार्म ड्रोन, मिसाइल और जासूसी सेंसर को कुछ ही सेकंड में राख कर सकता है। इसके साथ ही भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसके पास यह पावरफुल लेजर वेपन सिस्टम है। अभी तक यह सिस्टम केवल अमेरिका, चीन, इजरायल और रूस जैसे देशों के पास था।
आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बने नेशनल ओपन एयर रेंज में पर लेजर बेस्ड वेपन सिस्टम का यह परीक्षण किया गया। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने कहा कि यह केवल शुरुआत है। डीआरडीओ कई तकनीकों पर काम कर रहा है, जो हमें स्टार वार्स की क्षमता प्रदान करेगी। डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने कहा, जहां तक मुझे पता है तो अमेरिका, रूस और चीन ने ही ऐसी क्षमता दिखाई है। इजरायल भी इस दिशा में काम कर रहा है।
मैं कहूंगा कि हम दुनिया में चौथे या पांचवें नंबर पर हैं, जिन्होंने इस सिस्टम को प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ कई ऐसी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, जो हमें 'स्टार वार्स कैपैबिलिटी' देगी। कामत ने कहा, ये तो बस शुरुआत है। इस लैब ने दूसरी लैब्स, इंडस्ट्री और एकेडमिक्स के साथ जो तालमेल दिखाया, उससे मुझे यकीन है कि हम जल्द अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे।

● **बिजली जैसी स्पीड और शानदार सटीकता-** भारत में बने एमके-2 (ए) डीईडब्ल्यू सिस्टम ने रविवार को अपनी पूरी ताकत दिखाई। इसने लंबी दूरी के फिक्स्ड-विंग ड्रोन को निशाना बनाया, कई ड्रोन के अटैक को नाकाम किया और दुश्मन के सर्विलांस सेंसर व एंटीना को तबाह कर दिया। इसमें बिजली जैसी स्पीड, सटीकता और कुछ सेकंड में टारगेट को नेस्तनाबूद करने की ताकत है। इस तरह यह सबसे पावरफुल काउंटर ड्रोन सिस्टम बन गया है। जैसे ही रडार या इसके इनबिल्ट इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सिस्टम से टारगेट डिटेक्ट होता है, लेजर-डीईडब्ल्यू लाइट की स्पीड से अटैक करता है। ये एक ताकतवर लेजर बीम से टारगेट को काट देता है, जिससे उसका स्ट्रक्चर फेल हो जाता है। अगर वॉरहेड को निशाना बनाया जाए, तो और भी बड़ा धमाका होता है।

हर्षा रिछारिया की पदयात्रा में पहुंची मुस्लिम युवती

हर्षा को टीका भी लगाया, बोली-वहां इज्जत नहीं है

मथुरा (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आई हर्षा रिछारिया ने सोमवार सुबह वृंदावन से संभल के लिए पदयात्रा शुरू की। हर्षा बांके बिहारी का जयकारा लगाते हुए वृंदावन से निकलीं। साधु-संत और सैकड़ों समर्थक उनके साथ चल रहे हैं। समर्थकों ने साधु-संतों और हर्षा पर फूल बरसाए। मंदिर में हर्षा की चप्पल गुम हो गई। वह नंगे पैर ही यात्रा के लिए चल पड़ीं। इससे पहले सुबह हर्षा ने मंदिर

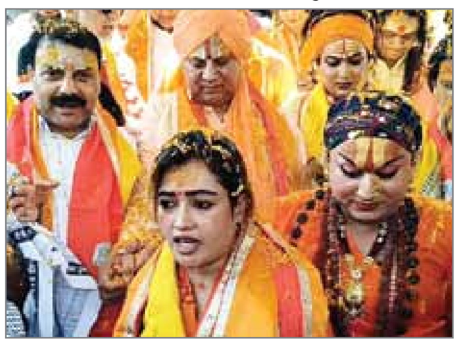

पहुंचकर शिव और भगवान राम की पूजा की। पदयात्रा में शामिल होने के लिए मथुरा में कृष्ण जन्मस्थान के पास रहने वाली अलीशा खान भी टीका लगाकर पहुंचीं। वह नकाब पहने थी। अलीशा का कहना है सनातन में महिलाओं का सम्मान है। हमारे यहां यह सब नहीं है। लड़कियों को बंद रखा जाता है। इज्जत नहीं है। सनातन में लड़कियों को लक्ष्मी स्वरूप माना जाता है। अलीशा ने 8 महीने पहले सचिन से लव मैरिज की है। हर्षा का कहना है कि यह यात्रा हिंदू धर्म से विमुख हो चुके युवक-युवतियों के लिए है।

पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी गिरफ्तार

● भारत की प्रत्यर्पण अपील के बाद बेल्जियम में ऐक्शन

सेहत का हवाला देकर जमानत मांग सकता है चोकसी

ब्रूसेल्स (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक से लोन धोखाधड़ी मामले में आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को पुलिस ने बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर 12 अप्रैल को उसकी गिरफ्तारी हुई, फिलहाल वह जेल में है। भारत ने बेल्जियम के साथ चोकसी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने चोकसी को गिरफ्तार करते समय दो गिरफ्तारी वारंट का हवाला दिया। ये मुंबई की एक अदालत ने जारी किए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि वारंट 23 मई 2018 और 15 जून 2021 के थे। ऐसा माना जा रहा है कि चोकसी अपनी खराब सेहत का हवाला देते हुए जमानत और तत्काल रिहाई की मांग कर सकता है। बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद मेहुल चोकसी ने अपने खराब सेहत का हवाला देते हुए कोर्ट में जमानत मांगी है। उसकी ओर से कहा गया है कि इलाज कराने के लिए बेल्जियम आया था और अपनी पत्नी

के साथ एंटवर्प में रह रहा था। चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी।

जो अपने को हिंदू कहता है उससे पूछा जाएगा कि भारत के लिए क्या किया

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में प्रदेश के सबसे बड़े संघ कार्यालय केशव भवन का संघ संचालक मोहन भागवत ने लोकार्पण किया। साथ ही संघ कार्यालय के अंदर बने भीमराव अंबेडकर सभागार का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- हम आपसी मतभेद मे उलझ गए और इसका विदेशी आक्रांताओं ने फायदा उठाया। उन्होंने भारत को लूटा और पीटा भी। उन्होंने कहा- आज जो अपने आप को हिंदू कहता है उनकी जवाबदेही बनती है। उनसे पूछा जाएगा कि उन्होंने भारत के लिए क्या किया। हिन्दू समाज को इसके लिए तैयार करना है। भारत में हिंदू समाज के संगठन का कार्य संघ कर रहा है। स्वयं सेवक संघ के लिए सुविधा खड़ी कर सकते हैं। संघ अपना काम अपने स्वयंसेवकों के बलबूते पर चलाता है। समाज के काम के लिए समाज से सहयोग लेता है अपने काम के लिए समाज से कुछ नहीं लेता। स्वयं सेवक साल में एक बार जो करते हैं उससे होता है। कार्यालय में जाकर देखेंगे तो इस प्रांत की जितनी आवश्यकता है उतना ही इसमें है। क्योंकि हम लग्जरी पर विश्वास नहीं करते। परिश्रम की सादगी की आदत बनी रहनी चाहिए।

जाति की जनगणना करवा कांग्रेस ने कर दी बड़ी गलती

● कर्नाटक में बढ़ा बंटवारे का खतरा, टेंशन में शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जातिगत जनगणना की रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले ही कांग्रेस पार्टी में हड़कंप मचने की संभावना बढ़ रही है। जनगणना के आंकड़ों को लेकर प्रदेश में लिंगायतों और वोक्कालिगा समुदाय में पहले से ही पहले ही खलबली मच गई है। 17 अप्रैल को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट की बैठक बुलाई है। इस बैठक में कांग्रेस के मंत्री ही दो धड़ों में बंट सकते हैं। इस बैठक में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों के ही समर्थक अपनी-अपनी खींचने की कोशिश करेंगे। लीक हुई रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में पता चला है कि मुस्लिमों की आबादी सबसे ज्यादा है। वहीं इसके बाद एससी और एसटी वर्ग का नंबर आता है। ऐसे में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की स्थिति कमजोर हो सकती है। वहीं राहुल गांधी और सिद्धारमैया मजबूत स्थिति में नजर आ सकते हैं। कर्नाटक में वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय काफी प्रभावशाली माना जाता है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। वहीं सर्वे में समुदाय की संख्या कम होने से उनका राजनीतिक कद घटने का भी खतरा है। ऐसे में उन पर कमजोर होने का खतरा बना हुआ है। राज्य में जनसंख्या के आधार पर ही नेताओं के कद का फैसला अक्सर किया जाता है।

बिहार सरकार का छात्रों को बड़ा तोहफा

95 हजार लड़के-लड़कियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ देने की तैयारी

पटना, एजेंसी। बिहार में इस वित्तीय वर्ष (2025-26) में राज्य के 95 हजार नये विद्यार्थियों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत लोन देने की तैयारी है। इसको लेकर नये लक्ष्य तय करने पर मंथन किया जा रहा है, जिसपर शीघ्र ही फैसला लिया जाएगा। राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए एक हजार करोड़ का प्रावधान अपने बजट में किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 85 हजार विद्यार्थियों को लोन देने का लक्ष्य रखा गया था। शिक्षा विभाग के पदाधिकारी बताते हैं कि इस लक्ष्य में दस हजार की बढ़ोतरी करने पर विचार किया जा रहा है। पिछले वर्ष लक्ष्य के विरुद्ध 94 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन स्वीकृत हुए। राज्यभर से पिछले साल 84 हजार 155 आवेदन आये, जिनमें 80 हजार विद्यार्थियों के लोन की स्वीकृति दी गई। इन विद्यार्थियों को 1715 करोड़ के लोन वितरित किये गये हैं। चालू वित्तीय वर्ष में इसे बढ़ाने पर फोकस है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सात निश्चय योजना के तहत छात्र छात्राओं को क्रेडिट कार्ड का लाभ दिया जा रहा है।

सबसे अधिक पटना के छात्रों को लाभ

सबसे अधिक पटना जिले में 6618 विद्यार्थियों के लोन स्वीकृत हुए है, जो लक्ष्य का 126 प्रतिशत है। लक्ष्य का सर्वाधिक 137 प्रतिशत विद्यार्थियों को लोन वैशाली जिले में दिये गये हैं। वैशाली जिले के लिए 2642 लक्ष्य के विरुद्ध 3631 छात्र-छात्राओं के लोन स्वीकृति हुए हैं। इन दोनों के अलावा बेगूरसराय, बक्सर, जहानाबाद, कैमूर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, शेखपुरा और सुपौल जिले में लक्ष्य का सौ प्रतिशत विद्यार्थियों के लोन स्वीकृति किये गये हैं।

उच्च शिक्षा के लिए दिया जाता है लोन

इस योजना के तहत शुरू से अब-तक तीन लाख 59 हजार 424 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षक ग्रहण करने के लिए लोन दिये गये हैं। इन विद्यार्थियों के बीच कुल 6943 करोड़ के लोन राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से वितरित किये गये हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने में पैसे की कमी रोड़ा नहीं बने, इसी मकसद से राज्य सरकार अपने कोष से लोन देती है।

मशरूम की खेती कर हर महीने कमा रही 25 हजार पहली कमाई से खरीदी बाइक

पति भी मजदूरी छोड़ दे रहे साथ

बगहा /बेतिया, एजेंसी। बगहा के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे नौरंगिया दोन गांव की एक महिला ने मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल कायम की है। दरअसल निर्मला देवी ने अपने छोटे से छोपड़ी नुमा घर में मशरूम की खेती शुरू करने वाली निर्मला आज लखपति बनने की राह पर हैं। निर्मला ने कुछ साल पहले मशरूम उत्पादन की तकनीक सीखी। देसी जुगाड़ से घर में ही इसका उत्पादन शुरू किया। मशरूम बेचकर हर महीने 20 से 25 हजार रुपए की कमाई कर रही हैं। पहली कमाई से उन्होंने एक बाइक खरीदी।

पहले निर्मला के पति बाहर मजदूरी करते थे। अब वे भी मशरूम की खेती में जुट गए हैं। पति-पत्नी मिलकर उत्पादन और बिक्री का काम संभाल रहे हैं। स्थानीय बाजार में निर्मला के मशरूम की गुणवत्ता इतनी अच्छी है कि ग्राहक खुद उनके घर आकर खरीदते हैं। अब वे आस-पास के इलाकों में भी बिक्री कर रही हैं।

सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही

मशरूम के साथ निर्मला सिक्की घास से पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद भी बनाती हैं। टोकरी, डिब्बे और सजावटी सामान बनाने का उनका हुनर अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन गया है। दोनों काम मिलाकर वे सालाना 2.5 से 3 लाख रुपए कमा रही हैं। निर्मला की सफलता गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी है। उन्होंने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों में भी सही दिशा में मेहनत करने से आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया जा सकता है।

टिम्बर हाउस में लगी आग से 1 करोड़ का नुकसान

40 लोगों को रेस्क्यू किया गया

10 घर चपेट में आए फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां पहुंची थी

पटना, एजेंसी। पटना में गांधी मैदान थाना क्षेत्र के पीरमुहानी के पास रविवार की देर रात विश्वकर्मा टिम्बर में आग लग गई। 1:30 में इसकी सूचना फायर कंट्रोल को मिली। इस आगजनी में करीब 1 करोड़ की लकड़ी का नुकसान हुआ है। 10 घर चपेट में आ गए थे। इसमें फंसे 40 लोगों को अग्निशमन के कर्मियों ने रेस्क्यू किया है। अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने भीषण अग्निकांड की जांच के लिए कमेटी बनाने की अनुशंसा की है। जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई भी हो सकती है। पिछले 9 घंटे से कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया है। पूरी रात कर्मी सोए नहीं हैं। जो भी छुट्टी में थे, उन्हें भी बुला लिया गया। आग कैसे लगी थी, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पास में घनी आबादी

पिछले 9 घंटे तक लगी आग के चलते आस पास के लोग भी दहशत में आ गए थे। टिम्बर हाउस से सटे घर और मार्केट है। पूरे इलाके में घनी आबादी है। इससे पहले भी यहां भीषण आग लगी थी। इसमें दम घुटने से एक कर्मी की मौत हो गई थी।

फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद

फायर ब्रिगेड के पदाधिकारी अजित कुमार ने बताया कि मौके पर फायर ब्रिगेड की करीब 30 गाड़ियां मौजूद है। देर रात से फायर के लगभग 150 कर्मी काम कर रहे हैं। करीब 5 लाख लीटर से अधिक पानी भी खर्च हो चुका है। कंकड़बाग, लोदीपुर, पटना सिटी, सचिवालय और अन्य जगहों की भी गाड़ियों को बुलानी पड़ी है। देर रात से ही अग्निशमन के कर्मी सोए नहीं हैं। पूरी तरह से मुस्तैद हैं। टिम्बर हाउस के मालिक पीड़ित विजय के भाई नागेंद्र प्रसाद शर्मा ने बताया कि बेशकीमती सागवान की लकड़ी थी। करीब एक करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। हमलोग घर पर थे, इसी बीच रात को स्थानीय लोगों ने घर पर आकर बताया कि टिम्बर के पिछले हिस्से में आग लग गई है। वहां पहुंचने के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

नवविवाहिता की हत्या मामले में पति और सास गिरफ्तार

शादी के बाद ससुराल वालों ने किया था डिमांड, महिला के गले पर मिला था निशान

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव में रविवार की सुबह एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतका 21 वर्षीय सरिता कुमारी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी मनीष सिंह की पत्नी थी।मृतक के गले पर वी आकर का निशान पाया गया है। मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया हैं। जिसे लेकर मृतका के पिता ने पति, सास और ससुर के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। पुलिस ने आरोपित सास कलावती देवी और पति मनीष को गिरफ्तार कर लिया है।

शादी के बाद दहेज के लिए करते थे प्रताड़ित: संदेश थाना क्षेत्र के बिछियांव गांव निवासी शिव शंकर सिंह की पुत्री सरिता की शादी 14 मई 2024 कओ उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव वार्ड नंबर छह निवासी रमेश सिंह के पुत्र मनीष सिंह से लेनदेन के साथ और पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने बताया कि शादी के चार माह बाद से ही ससुराल वालों ने दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग की जाने लगी थी। जिसके बाद उसके मायके वालों ने असमर्थता जताई थी। इस बात को लेकर ससुराल वालों प्रताड़ित किया जाता था और मारपीट भी की जाती थी। जिसको लेकर वह दो बार अपने ससुराल से भाग कर अपने मायके बिछियांव चली आई थी। जिसके बाद पंचायती कर उसे वापस ससुराल ले आए थे। इस बीच रविवार की सुबह स्थानीय ग्रामीण ने फोन कर उन्हें सूचना दी गई कि आपकी बहन के साथ अनहोनी हुई है। सूचना पर मृतका के मायके वाले ससुराल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में बरामदे में पड़ी है। ससुराल के अन्य लोग फरार है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। मृतका के भाई मनोज कुमार ने पति मनीष सिंह, ससुर रमेश सिंह और सास कलावती देवी पर दहेज में कार की मांग को लेकर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

समस्तीपुर में रामजानकी मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियों की लूट

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र स्थित भुसवर ठाकुरबाड़ी के रामजानकी मंदिर से 3 बदमाशों ने पिस्टल के बल पर अष्टधातु से निर्मित राम, सीता और लक्ष्मण की लगभग एक फीट ऊंची मूर्तियां, चांदी का मुकुट और सोने-चांदी की मटर माला लूट ली। घटना करीब सुबह 3 बजे की है। मंदिर में सो रहे पुजारी राम कैलाश दास को बदमाशों ने अचानक थप्पड़ मारते हुए जगाया और कान में पिस्टल सटाकर मंदिर की चाबी मांगी। पुजारी के विरोध करने पर जबरन चाबी छीनकर मंदिर का दरवाजा खोलकर मूर्तियों की लूट कर ली। पुजारी के शोर मचाने पर गांव के लोग जुटे लेकिन तब तक चोर फरार हो गए। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुखिया शिवदानी प्रसाद सिंह समेत अन्य सदस्यों ने बताया कि मूर्तियों और जेवरात की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। यह मूर्तियां सौ वर्षों से मंदिर में थीं, जिन्हें दो वर्ष पहले भव्य मंदिर निर्माण के बाद दोबारा स्थापित किया गया था। बताया गया है कि यह पहली बार नहीं है जब विभूतिपुर इलाके की ठाकुरबाड़ी में चोरी हुई हो। पूर्व में भी आलमपुर कोदरिया, नरहन और महथी बड़ी की ठाकुरबाड़ियों से अष्टधातु की मूर्तियां चुराई जा चुकी हैं। कुछ मामलों में तो चोरों ने विरोध करने पर सेवक की हत्या भी कर दी थी।

पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी ठीक करे विवि: छात्र राजद

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, वरीय संवाददाता। छात्र राजद जिलाध्यक्ष अविनाश कुमार उर्फ राजा बाबू ने कहा कि बीआरएबीयू में छात्र संघ चुनाव की तारीख की घोषणा जल्द होनी चाहिए। इसके अभाव में छात्र हित का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने विवि प्रेस को पुनः चालू करने और पीजी सत्रों में हुई गड़बड़ी को दूर करने और पैट-2023 के आवेदन के लिए पोर्टल अविलंब खोलने की मांग कुलपति से की है। जूरन छपरा स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि विवि की गतिविधियां ठीक नहीं हुई तो छात्र राजद आन्दोलन को विवश होगा। विवि अध्यक्ष हैदर निजामी ने कहा कि अपना प्रेस होते हुए भी विवि सारा काम निजी प्रिटिंग प्रेस से करवा रहा है। मौके पर अजीत कुमार, दीपू, चंदन यदुवंशी, केशव किशोर, सूरज सिंह, मो.अमीर, वारिश अली, विकेश कुमार, सुबोध कुमार, विक्रम कुमार, आशीष कुमार, प्रकाश कश्यप, उज्वल झा व अन्य थे।

तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख के जेवर की ठगी: चंदा मांगने आया था युवक

1 घंटे तक पूजा करवाई; वीडियो बनाने पर धमकी

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय में तंत्र-मंत्र का भय दिखाकर 2 लाख का जेवर लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। पूरा मामला जिले के गढ़पुरा थाना क्षेत्र के धरमपुर वार्ड नंबर-दो का है। जहां यज्ञ का चंदा मांगने आए युवकों ने पहले महिला को उसके बारे में कुछ बातें बताकर भरोसा दिलाया, जिसके बाद मौका मिलते ही उसके गहने लेकर फरार हो गए। पीड़ित महिला धरमपुर निवासी रंजना कुमारी है। जिसने बताया कि रविवार की दोपहर एक बाइक पर सवार तीन युवक दरवाजे पर पहुंचा और सहरसा जिले के कारू बाबा स्थान में यज्ञ होने की बात कह कर बैठ गया। जिसके बाद बैठे युवकों ने 1 घंटे तक घर में पूजा करवाया और प्रसाद बांटने की बात कहकर सभी फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, ठगों ने महिला के घर में 1 घंटे तक पूजा करवाई और लोगों में प्रसाद बांटने को कहा। इस दौरान मौजूद लोगों ने वीडियो बनाया तो उसके फोन को तोड़ने की धमकी देते हुए वीडियो डिलीट करवा दिया।

पीड़िता बोली- काल का साया कहकर करवाया पूजा फिर गहने लेकर फरार : रंजना कुमारी ने बताया कि यज्ञ के नाम पर चंदा लेने के बात कहकर तीनों लड़के मेरे दरवाजे पर बैठे। उनके बैठते ही हमलोग घर से बाहर आये तो एक युवक ने कहा कि तुम चार भाई चार-बहन थी। जिसमें तुम्हारी एक बहन की मृत्यु हो चुकी है। यह बात सच थी तो हम सब उसका पैर छूकर प्रणाम करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल सवार है। अगर तुम इस काल बचना चाहती हो तो कुछ पूजा पाठ करना पड़ेगा। इससे तुम्हारा काल लेकर चले जाएंगे, तुम ठीक हो जाओगी। हम उसके झांसे में आ गए तो युवक ने सबसे पहले एक लोटा पानी लाने को कहा। पानी में युवक ने कुछ मंत्र पढ़ कर फूंका और हमें भी फूंकने को कहा। इसके बाद एक कटोरी चावल मंगवाया। इस दौरान कटोरी के सामने हाथ रखकर पानी गिराने को कहा। उसने कहा कि अगर इसमें आग लग जाएगी तो तुम्हारे ऊपर काल का साया है और नहीं लगा तो कोई काल नहीं है। पानी गिराते ही हाथ पर आग जलने लगा तो ठग ने कहा कि तुम्हारे ऊपर काल का साया है।

वीडियो बनाने पर मोबाइल फोड़ने की धमकी : उसने काल का साया भगाने की बात कहकर अगरबत्ती मंगवाया। हमारी सास गीता देवी और गोतनी स्मिता कुमारी और मनीषा कुमारी को भी हाथ में अगरबत्ती देकर पूजा कराने लगा। मौके पर आसपास के भी लोग जमा हो गए तथा कुछ लोगों ने वीडियो बनाने लगे। जिस पर ठगों ने विरोध करते हुए कहा की वीडियो बनाओगे तो मोबाइल फोड़ देंगे। उसने काले पॉलिथीन में घर का सभी जेवर भी मंगवा लिया। इसके बाद हमारे हाथ में चावल देकर उसे एक कोना में जमीन में गाड़ने को कहा और घर के बाहर प्रसाद देने की बात कही।

डेढ़ लाख रूपए में महिला को बेचा, 5 अरेस्ट: सीवान से किडनैप महिला मथुरा में मिली

बदमाशों ने बहला कर कराई थी शादी

सीवान, एजेंसी। सीवान में मानव तस्करी का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने मैरवा थाना क्षेत्र से अपहृत महिला (35) को शनिवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा से बरामद किया है। पुलिस पीड़िता को रविवार को सीवान लेकर पहुंची। इस मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। इन्होंने महिला को डेढ़ लाख रूपए में बेच दिया था। मैरवा के एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया कि सिसवा खुर्द गांव निवासी राजेश कुशवाहा की पत्नी अचानक लापता हो गई थी। पति ने 17 फरवरी 2025 को गांव की महिला लीलावती देवी (35) के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोपी लीलावती देवी ने अन्य 4 आरोपी की दी जानकारी

पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई। टीम ने 3 दिन पहले मैरवा थाना क्षेत्र के बॉर्डर से आरोपी लीलावती देवी को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर मथुरा से चार और आरोपियों को पकड़ा गया। 2 महिलाओं को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान

- मथुरा जिला के गोवर्धन थाना क्षेत्र के वृज किशोर ठाकुर के बेटे लवकेश ठाकुर(30)
- देवरिया थाना क्षेत्र के मुन्ना पटेल के बेटे कृपाशंकर(27)
- मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र के दीना सिंह के बेटे परतोष ठाकुर(38)
- आगरा जिला के शाहाबाद थाना क्षेत्र के राजेश चौहान की पत्नी लवली देवी(35)
- गोरखपुर जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के बबलू प्रसाद की पत्नी अनु देवी(30)

पूछताछ में पता चला कि लीलावती ने बहला फुसला कर पैसों की लालच में पीड़िता को मथुरा के एक व्यक्ति को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया था। पीड़िता की मथुरा में किसी अन्य व्यक्ति से शादी भी करा दी गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने अब तक कितने लोगों की तस्करी की है और इसमें कौन-कौन शामिल हैं।

एक सर्टिफिकेट पर बिहार पुलिस में 41 साल नौकरी करते रहे फुफेरे भाई, रिटायरमेंट के बाद हुआ खुलासा

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस में एक ही नाम, पता, जन्म तिथि, पैन कार्ड और शारीरिक माप पर दो फुफेरे-ममेरे भाइयों के सिपाही पद पर बहाल होने का रोचक मामला आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने दर्ज किया है। दोनों भाइयों ने अलग-अलग जिलों में करीब 41 साल नौकरी करते हुए दारोगा से रिटायरमेंट ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब दूसरे भाई ने पेंशन के लिए शिवहर कोषागार में दस्तावेज जमा किए, जबकि एक भाई पहले ही रोहतास कोषागार से पेंशन उठा रहा था। अब ईओयू मामले से जुड़े जालसाजों व सरकारी कर्मियों की पहचान करेगा। दरअसल, रोहतास के चौडीहरा गांव के विक्रमा सिंह ने 1982 में कटिहार जीआरपी के साथ ही रोहतास जिला बल की सिपाही बहाली में सफलता हासिल की थी। मगर उन्होंने कटिहार जीआरपी में योगदान किया और 2023 में गया से रिटायर हुए। वहीं, शिवहर से भी विक्रमा सिंह नामक दारोगा रिटायर हुए हैं, जिनके पिता का नाम, स्थाई पता, जन्म तिथि, पैन नंबर, ऊंचाई व छाती का माप आदि बिलकुल समान है। सिर्फ दोनों के आधार नंबर, बैंक खाता नंबर और प्रथम योगदान स्थल में अंतर दिखा। शिवहर से रिटायर हुए विक्रमा सिंह की प्रथम नियुक्ति रोहतास जिला बल में सिपाही पद पर हुई थी। लेकिन, जांच में शिवहर से रिटायर विक्रमा सिंह की पहचान कैमूर के आटडीह गांव निवासी राजेंद्र सिंह के रूप में की गयी, जो कि रिश्ते में गया से रिटायर विक्रमा सिंह के ममेरे भाई निकले।

धूमधाम से मनाई गई बाबा अंबेडकर साहेब की जयंती

लीची की खुशबू और संस्कृति की मिठास से महका मेहसी

» लीचीपुरम उत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार के प्रमुख लीची उत्पादक क्षेत्रों में अग्रणी जिला के मेहसी स्थित तिरहुत उच्च विद्यालय प्रांगण में चल रहे 17वें लीचीपुरम उत्सव- 2025 के दूसरे दिन का आयोजन रविवार की संध्या को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ भव्यता से संपन्न हुआ। ऐतिहासिक महत्व रखने वाला यह उत्सव अब न केवल पूर्वी चंपारण, बल्कि संपूर्ण बिहार की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि चकिया नगर परिषद के चेयरमैन पवन सर्राफ, विशिष्ट अतिथि डॉ. आलोक मिश्रा, अधिवक्ता अनिल यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष राकेश पाठक तथा लीचीपुरम उत्सव समिति के अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

मेहसी की संस्कृति और सौहार्द का मिला संदेशः - मुख्य अतिथि पवन सर्राफ ने अपने संबोधन में मेहसी के लोगों की सांस्कृतिक चेतना और आपसी सौहार्द की सराहना करते हुए कहा, "मैं वर्षों से इस आयोजन में भाग लेने की इच्छा रखता था। इस वर्ष यह सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेहसी की शाही लीची विश्वविख्यात है और इसके विकास के लिए जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को मिलकर कार्य करना चाहिए।" उन्होंने जनप्रतिनिधियों से इस उत्सव को सहयोग देने की अपील भी की। इस अवसर पर अधिवक्ता अनिल यादव ने कहा कि मेहसी लगातार विकास की दिशा में अग्रसर है। यह मंच युवाओं को प्रोत्साहित करता है और उन्हें संस्कृति से जोड़ता है। डॉ. आलोक मिश्रा ने लीचीपुरम उत्सव को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लीची किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार और विभागों को सक्रियता दिखानी चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रिया पाण्डेय के स्वागत गीत से हुई, जिसके बाद आराधना सम्राट विवेक विशाल ने "ये रेशमी जुल्फें", "चांदी जैसा रंग है तेरा", और "आने से उसके आई बहार" जैसे गीतों से समां बांध दिया।

सत्यार्थ जायसवाल ने "जीना यहां, मरना यहां", और "मैं काला हुआ तो क्या हुआ, दिलवाला हूं" जैसे भावपूर्ण गीतों से दर्शकों की तालियां बटोरीं। नन्हीं कलाकार गिन्नी श्री और यीशु कुमारी के डांस ने सभी का दिल जीत लिया। वहीं, अनुप्रिया तिवारी, जिन्हें "चंपारण की बेटी" कहा जाता है, ने "पनिया के जहाज में", "अंगूरी में डसले बिया नगिनिया", "दमादम मस्त कलंदर", और "कौन दिशा में लेके चला रे बटोहिया" जैसे प्रसिद्ध गीतों की प्रस्तुति से माहौल को भावविभोर कर दिया। तिरहुत हाई स्कूल की छात्राओं ने "जाट जतिन" और "झिझिया" जैसे लोकगीतों पर रीमिक्स डांस प्रस्तुत कर समा बांध दिया। वहीं, घड़यारी चक मध्य विद्यालय की बच्चियों ने "बड़ा निक लागे अपन देशवा के माटी" पर नृत्य कर लोगों को राष्ट्रप्रेम से भर दिया।

मंच संचालन और आयोजन समिति की भूमिका

कार्यक्रम का संचालन गुड्डू सिंह ने किया। उत्सव को सफल बनाने में लीचीपुरम उत्सव समिति की केंद्रीय भूमिका रही। समिति के महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर, उपाध्यक्ष राकेश पाठक, सत्यदेव राय आर्य, विनोद दुबे,अरबिन्द कुमार गुप्ता,बी के बीरेंद्र,सत्यम वत्स, शंकर कुशवाहा, भूषण कुशवाहा, अब्दुल कादिर, सफी मोहम्मद खान, मंजय चौरसिया, संजय कुमार सिंह, कृत नारायण कुशवाहा,मृदुला मिश्रा,हामिद रज़ा, शाहनवाज खान,रौशन कुमार यादव,पवन कुमार सिंह,डॉ मनोज कुमार, जयंत कुमार मोनू,राजीव कुमार समेत दर्जनों सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया।

2008 में रखी गई थी नींवः- गौरतलब है कि लीचीपुरम उत्सव की शुरुआत वर्ष 2008 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा की गई थी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी सहित अनेक राज्यस्तरीय नेताओं की उपस्थिति ने इसे राज्य के प्रमुख वार्षिक आयोजनों में शामिल कर दिया। आज यह उत्सव किसानों, लीची उत्पादकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों के लिए एक प्रभावशाली मंच बन चुका है।

पताही प्रखंड में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई

बीएनएम। पताही

प्रखंड कार्यालय के पास बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर माला चढ़ाई और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखे और बाबा साहेब के योगदान को याद किया। इस अवसर पर बड़ा शंकर पंचायत के सरपंच रवि रंजन सिंह ने बाबा साहेब के जीवन और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और लाभ पहुंचे। जात-पात के भेदभाव को समाप्त कर एक समतामूलक समाज की स्थापना उनका लक्ष्य था। रवि रंजन सिंह ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे बाबा साहेब के सपनों को साकार करने के लिए एकजुट होकर कार्य करें और समाज के कमजोर वर्गों की मदद करें। कार्यक्रम में पूर्वी पताही के पूर्व मुखिया संजय कुमार सिंह, कृष्ण मोहन सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, महात्मा बुद्ध परिसर स्थित आचार्य बृहस्पति सभागार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था, "डॉ. भीमराव अंबेडकरः संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के अग्रदूत"। संगोष्ठी के संरक्षक विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. एस. पी. शाही उपस्थित रहे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण देते हुए प्रो. सुनील महावर, संगोष्ठी के संयोजक ने कहा," डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद करना न केवल हमारे लिए गर्व की बात है, बल्कि यह हमारे समाज की मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। यह संगोष्ठी उनके विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" अध्यक्षीय उद्बोधन में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति और संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रो. संजय श्रीवास्तव ने भावपूर्ण शब्दों में कहा, "हम डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती केवल एक औपचारिकता के रूप में नहीं मनाते। हमें उनके ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए, उनके विचारों को गहराई से समझना चाहिए, और विशेष रूप से शिक्षा के लिए उनके अदम्य संघर्ष को जानना चाहिए। बाबा साहेब ने भारतीय समाज को सुधारने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। जैसे अमेरिका में 'ब्लैक एंड व्हाइट' के बीच भेदभाव था, वैसे ही भारत में जाति आधारित भेदभाव गहरे रूप से विद्यमान है।" प्रो. पंकज कुमार सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ने अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. अंबेडकर के बहुआयामी योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि गांधी और अंबेडकर का उद्देश्य समानता था, लेकिन उनके दृष्टिकोण में भिन्नताएँ थीं। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के शिक्षा, जाति और अधिकारों पर किए गए अभूतपूर्व कार्यों की सराहना की और कहा कि उनके विचारों को केवल प्रतीकों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें व्यवहार में लाना चाहिए। मुख्य अतिथि, प्रो. एस. पी. शाही ने डॉ. अंबेडकर की संविधान निर्माण में भूमिका की सराहना की और कहा कि हालांकि संविधान अस्तित्व में है, समाज में जातिवाद का प्रभाव अब भी कायम है। उन्होंने शिक्षा को समाज में बदलाव का सबसे शक्तिशाली उपकरण बताया और डॉ. अंबेडकर के विचारों को अमल में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवेलपिंग सोसाइटीज़ (CSDS) के सह-निदेशक, प्रो. संजय कुमार ने डॉ. अंबेडकर के विचारों की आज की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 70 वर्षों बाद भी, आरक्षण के बावजूद समाज में बहुजन वर्ग का प्रतिनिधित्व उच्च पदों पर कम है। प्रो. कुमार ने जातिवाद के प्रभाव को समाप्त करने के लिए डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता जताई। डॉ. टी. आर. केम, पूर्व सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), दिल्ली, ने जातिवाद के खिलाफ डॉ. अंबेडकर के ऐतिहासिक संघर्षों की सराहना की। उन्होंने बताया कि भारत में जातिवाद आज भी एक प्रमुख चुनौती है और शिक्षा को इस समस्या के समाधान के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर जोर दिया और युवाओं को उनके संघर्षों को समझने और अपनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी के आयोजक सचिव, प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से जातिवाद को समाप्त करने के लिए जन जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को आयोजित करने में डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. जुगल दादिच, डॉ. आशा मीना का विशेष योगदान रहा। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के डीन और प्रमुख भी उपस्थित थे, और कई छात्र और शोधकर्ता भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर मौजूद थे।

हरसिद्धि में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती

बीएनएम। मोतिहारी/ हरसिद्धि

हरसिद्धि प्रखंड मुख्यालय परिसर में सोमवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर हजारों लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष निकेश सिंह चौहान ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्ण नंदन पासवान ने कहा, "आज मैं जिस पद पर हूं, वह बाबा साहेब द्वारा बनाए गए संविधान की ही देन है। अगर संविधान में आरक्षण की व्यवस्था नहीं होती, तो आज कई लोग सड़कों पर होते। यह संविधान सभी समुदायों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और यह दुनिया के सबसे लचीले व लाभकारी संविधानों में से एक है।" उन्होंने आगे बताया कि संविधान निर्माण में बाबा साहेब को कई वर्षों का समय लगा, और इसके लागू होने के बाद ही देश में न्याय की व्यवस्था सशक्त रूप से शुरू हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहेब का घोर विरोध किया था और लोकसभा चुनाव में उन्हें हरवाने का प्रयास किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष पवन राज, वरीय भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, इं. राकेश गुप्ता, राज किशोर सिंह, फारूक आज़म, हरेंद्र कुशवाहा सहित कई नेताओं ने भी बाबा साहेब के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर दीपक शर्मा, अमजद खान, मारकंडे कुशवाहा, मनोज कुमार, प्रभु पासवान, वीरेंद्र कुमार आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर "भीम शक्ति संवाद" का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

भारत रत्न, संविधान निर्माता, समाज सुधारक और दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती पर जिला कांग्रेस कमिटी पूर्वी चंपारण द्वारा गांधी आश्रम बजरिया के पंडाल में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत कांग्रेसजनों द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हुई। इस अवसर पर "भीम शक्ति संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष इं. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अंबेडकर के विचारों और योगदान को याद करते हुए कहा कि आज का भारत, जिसे हम सामाजिक न्याय और समानता के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। वह बाबा साहब के संघर्षों और विचारों की ही देन है। उक्त मौके पर कार्यक्रम पर्यवेक्षक पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी ने कहा कि बाबा साहब ने न केवल संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि उन्होंने एक ऐसे समाज की परिकल्पना की जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग से हो। शशि भूषण राय ने जोर देकर कहा कि आज के युवाओं को अंबेडकरवाद को केवल जयंती तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि "भीम शक्ति संवाद" जैसे मंच समाज में चेतना और जागरूकता लाने का कार्य करते हैं और इसे निरंतर जारी रखने की जरूरत है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और "जय भीम" के नारे के साथ हुआ।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती मनाई गयी

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के राधा नगर स्थित सीकरीया बीएड कॉलेज के राधा कॉन्फ्रेन्स हॉल में सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती मनाई गई। जिसका शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन से सत्यनारायण राम (पूर्व न्यायाधिश), विधानन्द राम, (राष्ट्रीय दलित मानवधिकार अभियान, स्टेट कॉडिनेटर), रामजन्म पासवान मुखिया (तुरकौलिया), पारस नाथ अम्बेडकर, डॉ. लालबाबू प्रसाद उपमेयर नगर निगम, भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया, बिहार सरकार सामाजिक न्याय केन्द्र, सेन्टर फॉर सोशल जस्टीस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष तथा हमारी संस्था के अध्यक्ष डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया एवं पूर्व पार्षद तथा वर्तमान पार्षद नगर निगम मोतिहारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. शम्भूनाथ सीकरीया ने कहा कि बाबा साहब एक बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्तित्व के धनी थे। जिनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के निर्माण में निभाई गई भूमिका तथा सामाजिक न्याय एवं दलितों के अधिकारों की लड़ाई जो उनके द्वारा शुरू की गई उसको हम आगे बढ़ावें। यही उनके प्रति हमारा सच्चा समर्पण होगा। पूर्व न्यायाधिश सत्यनारायण राम, डॉ. लालबाबू प्रसाद, विधानन्द, राम, जन्म पासवान सभी ने कार्यक्रम को संबोधित किया तथा सीकरीया ने सभी ने पुष्पगुच्छ व शॉल से सम्मानित किया। भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया ने पार्षदो सहित सभी को अंगवस्त्र एवं मोमिन्टो से भी सम्मानित किया और कहा कि हमारी भाजपा सरकार ने दलित पिछड़े वर्गों के प्रति पिछले 10 वर्षों में जो कार्य उनके उत्थान और विकास के लिए किया है, वह अत्यन्त सराहनीय है। मोदी जी बाबा साहब के सपनो को साकार करने के लिए कृत संकल्पित है। 2047 तक में भेद भाव, छुआ-छुत और जातिवाद से हमारा समाज मुक्त हो जायेगा। इस कार्यक्रम में धीरज जायसवाल, सत्य प्रकाश राम, डॉ. संजय, राजेश राम, रामप्रवेश राम, शारदा राम, महावीर पासवान, राजू पासवान, किरण राम, पल्लवी के साथ शहर के काफी गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभा की कार्यवाही एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रीति दूबे के द्वारा समापन किया गया।

जयंती पर याद किये गये संविधान निर्माता बाबा साहब

बीएनएम। केसरिया

क्षेत्र भर में सोमवार को संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गई। इस अवसर पर कई जगह कार्यक्रम आयोजित किया गया। एससी/एसटी कर्मचारी संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू राम के नेतृत्व में प्रखण्ड कार्यालय के समीप स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर असाधारण प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे। जिन्होंने देश को विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान दिया। मौके पर राजद नेता अवधेश यादव, बीरबहादुर राम, नवल पासवान, शिवनाथ पासवान, विनोद पटेल, रंजीत गुप्ता, निर्मल बैठा, चन्दन राम, उपेन्द्र राम, ज्ञानप्रकाश, सुनील कुमार, विनोद राम, महेन्द्र राम, सत्यप्रकाश, अजय राम, दीपू कुमार, जीतेन्द्र राम, राजन, मंजीत सहित अन्य मौजूद थे। वहीं विविध कला विकास समिति नयागाँव पानशाला के द्वारा भी अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आलम महम्मद, सचिव रंजन कुमार, सोमेश्वर प्रसाद, अमरेंद्र यादव, पंकज कुमार, शंकर पासवान सहित अन्य मौजूद थे। इधर, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव के नेतृत्व में मझरिया महादलित बस्ती में जयंती मनायी गई। मौके पर अग्निश कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे। जबकि लोजपा (आर) के प्रखण्ड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के द्वारा भी जयंती पर बाबा साहब को याद किया गया।

डॉ. एसकेएस महिला विद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मनाई गई जयंती

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम आईक्यूएसी एवं दर्शनशास्त्र विभाग के तत्वावधान में किया गया। उक्त कार्यक्रम का प्रारंभ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो पर माल्यार्पण तथा फूल चढ़ाकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार ने किया। डॉ. दीपमाला श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलावादी विचारक और महिला सशक्तिकरण की पूर्वोदय उनका मानना था कि यदि भारतीय समाज व्यवस्था को वास्तव में समानता व न्यायप्रिय बनाना है तो जाति संबंधी सवालों से सीधे जुझना होगा। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा ने अंबेडकर के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने महिला शिक्षा को अनिवार्य रूप से इसलिए माना कि हमारा समाज जागृत हो सके। वह महिलाओं की क्षमता से परिचित हो, तभी वह आगे बढ़ सकता है। पटना विश्वविद्यालय से आगत डॉ. मायानन्द सिन्हा ने अपने व्याख्यान को बहुत ही तथ्यगत दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों को पढ़ने, समझने और गुनने की आवश्यकता है। रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार ने बाबासाहब पर व्याख्यान देते हुए कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर स्त्रियों की शिक्षा को लेकर जागरूक थे, क्योंकि समाज तभी तरक्की करता है जब स्त्रियां शिक्षित होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) पंकज कुमार ने कहा कि बाबा साहब ने अपने कार्यों द्वारा यह बताया कि कोई भी जाति से बड़ा नहीं होता बल्कि वह अपने कर्म से बड़ा होता है, जब तक वह स्त्री को बराबर की स्थिति में नहीं दिया जाएगा तब तक वह अपने बराबर नहीं समझेगा, तब तक वह समाज आगे नहीं बढ़ सकता क्योंकि किसी भी समाज का विकास में स्त्रियों की शिक्षा उनकी भागीदारी का महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी शिक्षा उनकी आर्थिक स्थिति उनका स्वास्थ्य किसी समाज निर्माण में बहुत ही सहायक होता है।महाविद्यालय के विद्यार्थियों में पलक कुमारी ने बाबासाहेब भीमराव पर अपना वक्तव्य रखा। सिमरन सलाम ने भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के कार्यों पर अपना तथ्यगत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा ने किया। शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता, अभय कुमार, विकास, लवली सिंह, ज्ञान प्रकाश, अमन कुमार, प्रकाश कुमार पांडेय इत्यादि उपस्थित रहे। महाविद्यालय की छात्राओं में चाँदनी, सोनी, आरती, आँचल इत्यादि उपस्थित रही। महाविद्यालय प्राचार्य ने कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) दिनेश चंद्र राय को धन्यवाद दिया जिन्होंने महाविद्यालय में पांच विषयों में स्नातक की पढ़ाई प्रारंभ करने का आदेश दिया है जिसमें कॉमर्स, संगीत, भूगोल, संस्कृत, समाजशास्त्र है।

संक्षिप्त समाचार

नगर परिषद् के विकास कार्यों को लेकर एमएलसी वीरेंद्र नारायण यादव के आवास पर हुई चर्चा

नगर परिषद् सभापति हरेंद्र कुमार चौधरी को एमएलसी ने शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

बीएनएम। छपरा। बिहार सरकार के सरकारी आश्वासन समिति के अध्यक्ष व सारण के लोकप्रिय एमएलसी प्रो वीरेंद्र नारायण यादव के छपरा आवास पर विधान पार्षद प्रतिनिधि प्रत्युष कुमार प्रवीण के नेतृत्व मे गोपालगंज के मुख्य पार्षद हरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल यादव, राकेश यदुवंशी, रमजान आदि सम्मानित सदस्यों के साथ गोपालगंज नगर परिषद के विकास कार्यो पर चर्चा हुई। एमएलसी वीरेंद्र नारायण यादव ने गोपालगंज के विकास कार्यो मे सहयोग का आश्वासन दिये। वहीं मौके पर नगर परिषद के सभापति हरेंद्र कुमार चौधरी को एमएलसी वीरेंद्र नारायण यादव ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किये।

मोबाइल पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। तुरकौलिया। प्रखंड के बजरंग दल के अध्यक्ष के मोबाइल पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी मिलने की मामला उजागर हुआ है। पीड़ित अध्यक्ष शंकर सरैया फतेह टोला के रवि कुमार है। यह घटना 5 अप्रैल की देर रात की बताई जा रही है। मामले में आवेदन देकर धमकी देने वाले व्यक्ति के मोबाइल नम्बर पर एफआईआर दर्ज कराया है। बताया है कि वह वर्तमान में बजरंग दल का प्रखंड अध्यक्ष है। धमकी दिए जाने से उनका पूरा परिवार दहशतज़दा है। उसने कहा है कि पिछले दिनों वह पूजा के कार्यक्रम में व्यस्त था। इसी दौरान देर रात में फोन से एक व्यक्ति भद्दी भद्दी गालिया देते हुए हत्या करने का धमकी दिया है। रवि ने बताया की धमकी देने से परिवार के सभी सदस्य दहशत में है। उन्होंने आशंका जाहिर किया है कि धमकी देने वाला उनको या उनके परिवार के किसी सदस्य पर जानलेवा हमला भी कर सकता है। पुलिस दिए गए मोबाइल नंबर से धमकी देने वाले की पहचान करने में जुटी है।

गोविंदगंज में बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती पर विशेष कार्यक्रम, बच्चों को मिला स्नेह

बीएनएम। अरेराज/गोविंदगंजः गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अरेराज ग्रामीण मंडल नवादा पंचायत के मननपुर गांव के वार्ड नंबर 2 में 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर बाबा साहेब की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल के मंडल अध्यक्ष राधेश्याम ने की, जबकि मंच संचालन मंडल के महामंत्री राजा बाबू ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता विवेक पांडे, नवादा पंचायत के मुखिया शंभू प्रसाद, अति पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष संतोष दास एवं मोर्चा के जिला महामंत्री हेमंत मणि तिवारी उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर अपने विचार व्यक्त किए।

हरसिद्धि में अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

बीडीओ व अंचलाधिकारी ने किया माल्यार्पण

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि। हरसिद्धि प्रखंड में सोमवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रखंड कार्यालय परिसर में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज पासवान और अंचलाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। बीडीओ मनोज पासवान ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन समाज के पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके विचार आज भी देश की प्रगति के लिए मार्गदर्शक हैं। वही अंचलाधिकारी अरविंद कुमार ने भी उनके जीवन और कार्यों को याद करते हुए कहा कि हमें बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ दर्जनों शिक्षक और ग्रामीण भी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

अब बिहार में जंगलराज और परिवारवाद नहीं होगाः गिरिराज सिंह

बीएनएम। पटनाः केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुजरात के अहमदाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जनता दल और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। गिरिराज सिंह ने कहा कि 1990 के दशक में आरजेडी के शासनकाल के दौरान बिहार में हत्या, लूट, बेरोजगारी और कुशासन का माहौल था, जिससे लाखों लोग राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर हुए। उन्होंने यह भी कहा कि आज करीब 10 से 15 लाख बिहारी गुजरात में काम कर रहे हैं, जो उस दौर की देन है। उन्होंने अपील करते हुए कहा, अब बिहार बदल चुका है। आने वाले चुनाव में कोई लुटेरा फिर से भ्रम पैदा न कर सके। तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, इनका लालटेन अब पलायन कर गया, अब बिहार में बिजली है। गिरिराज सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों को घर, शौचालय, बिजली, पानी, गैस चूल्हा और मुफ्त राशन मिल रहा है, लेकिन तेजस्वी को यह सब दिखाई नहीं देता। उन्होंने यह भी कहा कि तेजस्वी को केवल चरवाहा विद्यालय की याद आती है, जबकि बिहार में अब आईआईटी, नीट, एम्स और हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं।

बाबा साहेब की जयंती कार्यक्रम में सांसद हुए शामिल

बीएनएम। जमुई [झाझा] । संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती प्रखंड क्षेत्र में मनाई गई। अम्बेडकर चौक स्थित अंबेडकर विचार मंच के द्वारा बड़े ही भव्य पैमाने पर मनाई गई। जिसमें जमुई लोकसभा सांसद अरुण भारती , समाजसेवी डॉ. नीरज साह, आरपीएफ एसी हरिनारायण राम सहित कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए अम्बेडकर विचार मंच स्थल से निकली शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा नगर क्षेत्र का भ्रमण किया। और पुनः बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन कर याद किया। सांसद ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्हें उनके कार्यों के लिए 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया था । आगे लोगों ने कहा कि महिलाओं के अधिकारों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए डॉ. अंबेडकर ने जो कार्य किए, वे आज भी प्रेरणादायक हैं। डॉक्टर नीरज साह, एसी ने भी अपने सम्बोधन में बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि बाबा साहेब ने अपना जीवन समाज में पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया।

सामाजिक समरसता के शिल्पकार थे बाबा साहेब : विधायक

बीएनएम। रामगढ़वा

राजद कार्यालय रामगढ़वा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन राजद विधायक इं. शशिभूषण सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बाबा साहेब को सामाजिक समरसता का शिल्पकार बताया और कहा कि उन्होंने जीवन पर्यंत शोषितों, वंचितों और पीड़ितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। विधायक ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा दिखाया गया मार्ग आज भी प्रासंगिक है और हम सभी को उनके विचारों पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान "डॉ. भीमराव अंबेडकर अमर रहें", "भारतीय संविधान जिंदाबाद" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। विधायक सिंह ने कहा कि बाबा साहेब ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर चार विषयों में एमए तथा कुल 32 डिग्रियाँ हासिल कीं और भारतीय संविधान का निर्माण कर देश का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रखंड अध्यक्ष मो. मूसा, युवा नेता जयकिशोर यादव, अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, अमित सिंह, अंजय यादव, मिथलेश पासवान, लालन राम, अशोक पासवान, मनोज पासवान, त्रिलोकी पासवान, नवल किशोर पंडित, आशीष कुमार, मुरली बैठा, राजेंद्र राम, वीरेन्द्र राम, जेड अहमद, नुरैन मियां, रंजीत यादव, नितेश यादव, लोचन पासवान, विजेंद्र पासवान, रमेश राम, मो. आलम, नागेंद्र राम, इस्माइल मियां, जितेंद्र पटेल, लालमुनि देवी, गीता देवी, माधुरी देवी, गोधरी देवी, मंजू देवी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

युवा समाजसेवी अवनीश सिंह चौहान ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर किया माल्यार्पण

बीएनएम। शिवहर

पीतांबरा फाउंडेशन के ट्रस्टी एवं युवा समाजसेवी अवनीश सिंह चौहान ने शिवहर प्रखंड के ताजपुर पंचायत में पहुंचकर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन और संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों से उनके विचारों और आदर्शों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि "डॉ. अंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के लिए समर्पित था। आज उनके विचार हमें एक बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं।" कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की उपस्थिति और सहभागिता सराहनीय रही।

मोतिहारी के वहदत फैजी को मिला राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

बीएनएम। तुरकौलिया

बिहार विधान परिषद के सभागार में टीचर फ्यूचर मेकर्स द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया,जिसमे मोतिहारी प्रखंड के राजकीय मध्य विधालय, धरमुहा में कार्यरत युवा शिक्षक मोहम्मद वहदत फैजी को बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी एवं पूर्व मंत्री श्याम रजक ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया । उनकी इस उपलब्धि पर उनके विधालय के प्रधानाध्यापक उमेश कुमार, वरीय शिक्षक दिनेशचन्द्र दास, पुलकर सर, शिवाणी मैम, डॉ मशहूर आलम एम एस कालेज मोतिहारी, डॉ मोहम्मद अताउल्लाह, मोहम्मद रेजाउल्लाह इत्यादि ने उन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन , प्रसिद्ध गणितज्ञ एस के सिन्हा, डॉ निभा मैम एससीईआरटी, डॉ वाणी भूषण, शिक्षाविद् रहमान सर इत्यादि की गरिमामयी उपस्थित में संपन्न हुआ।

राजद कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र के अलग अलग जगहों पर भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती मनाया गया। जहां तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के पंचायत भवन पर एक कार्यक्रम आयोजित कर डा. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाया गया। राजद कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के चित्र पर माला पहनकर उन्हें याद किया गया। राजद पंचायत अध्यक्ष अजमल कमाल उर्फ लाल की अध्यक्षता में जयंती समारोह का आयोजन किया गया था। पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने कहा कि उन्होंने समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान का नींव रखा था। वही कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे उपसरपंच अजमल कमाल ने कहा कि अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वह वकील होने के साथ साथ अर्थशास्त्री, राजनितिज्ञ और महान समाज सुधारक भी थे। डा0 भीमराव अंबेडकर को बाबा साहेब अंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने छुआछूत और जातीय भेदभाव के खिलाफ आंदोलन चलाया था। आज के दौर में इनकी विचारों की प्रासांगिकता और बढ़ गई है। समाज को इनके विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। मौके पर मुखिया विनय कुमार, सरपंच पुनदेव सहनी, राजकुमार कुशवाहा, मुकेश सहनी, शिवशंकर प्रसाद, पैक्स अध्यक्ष ललन सहनी, फारुक आजम, अजहरुद्दीन आलम, अलीउल्लाह आलम आदि मौजूद थे।

विवाहिता की गला दबाकर हत्या, ससुराल वाले फरार

» मृतका के भाई ने ससुराल वालों पर हत्या करने का लगाया आरोप
» फरार ससुराल वालों को पकड़ने के लिए पुलिस कर रही है छापेमारी

बीएनएम। सुगौली

थाना क्षेत्र के भटहां रायपट्टी में एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई है।मृतका शिव यादव की पत्नी अनु देवी बतायी जाती है।घटना को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि इसे रविवार की रात अंजाम दिया गया है।घटना के बाद विवाहिता के ससुराल वाले घर छोड़ फरार हो गए है। सूचना पर पहुंचे मृतका के मायके वालों का रो रोकर बुरा हाल है।घटना की खबर लगते ही थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण व जांच किया है। वहीं मृतका के भाई ने ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि मेरी बहन की हत्या उनके ससुराल वालों ने गला दबाकर कर दिया और पलंग पर सुलाकर फरार हो गये। गौरतलब है कि पश्चिमी चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र स्थित रुलही गांव निवासी बालेशी यादव की पुत्री कि शादी चार वर्ष पूर्व सुगौली थाना क्षेत्र के भटहां रायपट्टी निवासी वासुदेव यादव के पुत्र शिव कुमार यादव से हुई थी।हत्या के पिछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।इस बावत पुलिस का कहना है कि गहन जांच पड़ताल किया जा रहा है साथ ही ससुराल वालों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी करने में जुटी है।पुलिस ने मृतका के शव को अन्त्यपरीक्षण के लिए मोतिहारी भेज दिया है।

पुश्तैनी संपत्ति को लेकर पुत्र ने कराई पिता की हत्या, शूटर गिरफ्तार, पुत्र अभी भी फरार

बीएनएम। शिवहर

शिवहर जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुश्तैनी संपत्ति को लेकर विवाद में एक कलयुगी पुत्र ने अपने ही पिता की हत्या करवा दी। मृतक की पहचान श्याम नंदन तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ है कि मृतक के पुत्र ने पेशेवर अपराधियों को पैसे देकर यह हत्या करवाई थी। इस जघन्य वारदात में संलिप्त एक अपराधी, अभिषेक कुमार (पिता – राघव ठाकुर), ग्राम विशंभरपुर, थाना तरियानी छपरा, जिला शिवहर को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। ज्ञात हो कि 30 जनवरी 2025 को तरियानी छपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम विशंभरपुर स्थित एक पुल के पास श्याम नंदन तिवारी घायल अवस्था में पाए गए थे। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद तरियानी छपरा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार सिन्हा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया था।

तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों से खुलासाः- SIT ने तकनीकी, वैज्ञानिक और गुप्त सूत्रों के माध्यम से जांच करते हुए एक और शूटर बृजेश कुमार (पिता – सूर्यवंश राय), ग्राम बैजनाथपुर, थाना तरियानी, जिला शिवहर को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देसी कट्टा और कारतूस भी बरामद हुआ है, जिसके लिए अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुत्र अभी भी फरारः- हालांकि, पुलिस को इस हत्या का मास्टरमाइंड मृतक का पुत्र अब तक नहीं मिल पाया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

रूपम बनी राष्ट्रीय आंगनबाड़ी सेविका महापरिवार की केसरिया प्रखण्ड अध्यक्ष

बीएनएम। केसरिया

राष्ट्रीय आंगनबाड़ी सेविका महापरिवार की बैठक सोमवार को केसरिया स्थित रामजानकी मठ परिसर में आयोजित की गई। संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष चंचला कुमारी ने कहा कि हमें अपने अधिकार, न्याय, सम्मान व समाधान के लिए आवाज उठानी होगी। सरकार हम लोगों को दरकिनार कर रही है। सरकार के कानों तक हमारी बातों को पहुंचाना होगा। चाहे इसके लिए न्यायालय तक क्यों नहीं जाना पड़े। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती पर बल दिया गया। इस क्रम में महापरिवार के केसरिया इकाई का गठन करते हुए सर्वसम्मति से केंद्र संख्या-55 की सेविका रूपम कुमारी को अध्यक्ष, केंद्र संख्या-127 की सेविका पूनम देवी को उपाध्यक्ष, जुली कुमारी को सचिव, मीना कुमारी को कोषाध्यक्ष व कुसुम प्रवीण को संयोजक बनाया गया। वहीं सीमा गुप्ता, रीमा कुमारी, मीरा परमार, सोना देवी, पुतुल सिन्हा, राजमती देवी, रंजू कुमारी व मीरा कुमारी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

वर्तमान सामाजिक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए आदिगुरू शंकराचार्य का जीवन व दर्शन है प्रासंगिकः अध्यक्ष

» चंपारण नागरिक मंच की ओर से परिचर्चा का हुआ आयोजन
» आदिगुरू शंकराचार्य के जीवन व दर्शन पर हुई विस्तृत चर्चा

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के सदर अस्पताल रोड स्थित एलएनडी कॉलेज परिसर में चंपारण नागरिक मंच की ओर से आदिगुरू शंकराचार्य एवं वर्तमान में उनके दर्शन की प्रासंगिकता पर परिचर्चा का आयोजन रविवार को किया गया। अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष विनोद कुमार दूबे ने की। जबकि, संचालन मुकेश कुमार पांडेय ने किया। परिचर्चा को संबोधित करते हुए मंच के अध्यक्ष ने परिचर्चा के उद्देश्य पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि आदिगुरू शंकराचार्य का जीवन एवं दर्शन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यक्तिगत जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रासंगिक है। समस्याओं का मूल कारण लोभ, मोह, ईर्ष्या, द्वेष एवं अहंकार है। साथ ही धन बटोरने की असिमित इच्छा भी। इसका समाधान सिर्फ धार्मिक चेतना जगाकर भौतिक जगत के धन, पद एवं प्रतिष्ठा की निरर्थकता को समझना है। धर्म ही व्यक्ति को सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त कर सकता है। डॉ. नागमणी सिंह ने कहा कि सनातन धर्म पूर्णतः वैज्ञानिक है। जहां अन्य धर्म एवं संस्कृतियां सिर्फ स्वर्ग एवं नरक की बात करती है। वहीं सनातन संस्कृति स्वर्ग एवं नरक दोनों से मुक्त होने एवं मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। परिचर्चा को प्रो. कर्मात्मा पांडेय, प्रो. अरूण कुमार मिश्रा, रविश पाठक, लोकेश कुमार, संजय कुमार, शैलेंद्र कुमार तिवारी आदि ने संबोधित किया। यह जानकारी चंपारण नागरिक मंच के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र मिश्र बाबा ने दी। उक्त मौके पर मितुल कुमार, अमिता निधि, रजनी ठाकुर, मिनी द्विवेदी, संजय शर्मा, संजय उपाध्याय, रामाशंकर ठाकुर, शहदेव वर्मा, अधिवक्ता शैलेंद्र श्रीवास्तव, विनोद कुमार सिंह, रंजन श्रीवास्तव, पवन कुमार मिश्र, डॉ. अजय कुमार प्रसाद, राकेश रौशन, शशिभूषण पटेल, विष्णुकांत सिंह, उज्ज्वल कुमार पांडेय सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आश्वासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आश्वासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवतः यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था।

राष्ट्र के सामने चुनौतियां और समाधान

कुलभूषण उपमन्यु

स्वतंत्रता आन्दोलन के समय से ही यह अनुभव किया जाने लगा था कि सदियों की गुलामी के चलते भारतीय समाज में अपनी आंतरिक इच्छा शक्ति, आत्म विश्वास, नवाचार की खोज करने की बौद्धिक क्षमता, आपसी विश्वास, की भारी कमी आ गई है। सदियों से दबे कुचले समाज को अपने शासकों के शोषण को झेलते हुए जैसे-तैसे दांव पेच से जीवनयापन करने के लिए समझौते करते हुए समय निकालने की आदत हो गई है। कभी धर्म बदल कर तो कभी शासकों के शोषण की कमी अपने से कमजोर वर्गों का शोषण करके पूरी करने के प्रयासों के आदी हो कर अपने झूठे अहंकार को संतुष्ट करने के प्रयासों के चलते खंडित समाज की रचना हो चुकी है। देश का शासन संभालते हुए राष्ट्र पुनर्निमाण करने का काम सिर पर है। इस काम को कैसे किया जाए यह चुनौती आसान नहीं थी। एक ओर देश को भारतीय दृष्टि से अपनी नींव पर खड़ा करने की समझ थी, जिसके समर्थक गांधी और उनकी सोच पर विश्वास करने वाले लोग थे, तो दूसरी ओर अंग्रेजी सोच से प्रभावित नेहरू और उनके वैचारिक समर्थक थे। हालांकि गांधी ने इस बहस को सार्वजनिक करने के प्रयास किए किन्तु नेहरू ने इस बहस को यह कह कर टाल दिया कि इस बात का फैसला तो चुने हुए प्रतिनिधि ही करने के अधिकारी होंगे। यह बहस इसलिए भी आगे न बढ़ सकी क्योंकि उस समय सबसे पहली प्राथमिकता स्वतंत्रता प्राप्त करना थी। इस बहस से यह खतरा था कि आपसी एकता के अभाव का संदेश जनमानस में जाता। दूसरी ओर सांप्रदायिक आधार पर द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थक देश की एकता को खतरा पेश कर रहे थे, जिनका नेतृत्व जिन्ना कर रहे थे। उनको संरक्षण देने का काम परोक्ष रूप से अंग्रेजी सरकार कर रही थी ताकि भारत को कमजोर करके किसी न किसी रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा जा सके। खासकर सोवियत रूस के नजदीक अपनी सैनिक उपस्थिति भी उनका एक उद्देश्य था, जिसे कश्मीर समस्या के माध्यम से वे कुछ हद तक हल कर पाए। अंग्रेज और जिन्ना अपनी चाल में सफल भी हो गए किन्तु हम वहां भी गलती का शिकार हो गए। जब दो धर्मों के आधार पर देश बांट दिए गए तो बेहतर यही होता कि शांति पूर्ण तरीके से गैर मुस्लिम भारत में आ जाते और मुसलमान पकिस्तान चले जाते। किन्तु हिन्दू मुस्लिम आबादियों का आदान प्रदान भयंकर मार काट में बदल गया। अंग्रेज सेना जानबूझ कर मूकदर्शक बनी रही। आबादियों का पूर्ण प्रत्यर्पण भी न हो सका और आज दिन तक आपसी टकरावों की समस्या से देश को जूझना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय नेतृत्व का उस समय का फैसला मानवतावादी था किन्तु सांप्रदायिक अहंकार में उसके महत्व को समझने में भारतीय राष्ट्र विफल रहा। वर्तमान में इस समस्या को ऐतिहासिक बोझ से बाहर निकल कर मानवतावाद से ही हल किया जा सकता है, जो दोतरफा ही होना चाहिए। मुसलमानों को भी यह समझना होगा कि हिन्दू बहुल देश में आप अपनी धार्मिक मान्यताओं को मानने में पूर्णतः स्वतंत्र हैं, किन्तु आप भी हिन्दू मान्यताओं के पालन में बाधक न बनें। यदि आप मूर्ति पूजा, भजन गाने, शंख, घंटे की आवाज, और नाचने गाने का बुरा मानने लगेंगे तो झगड़े कैसे रुकेंगे। हमें एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होने, मुबारक देने, की संस्कृति विकसित करनी होगी। रहीम, रसखान, खुसरो सरीखे अनेक उदाहरण मौजूद हैं जिनसे मिल-जुल कर रहना और एक दूसरे के विकास पर खुश होना सीखना होगा। गांधी जी की यह सोच बिलकुल सही थी कि भारत को भारतीय तरीके से सरकार बनाने के तरीके नए हालात में खोजने होंगे। उन्होंने ग्राम स्वराज्य का दर्शन दिया, जिसे वर्तमान वैश्विक सन्दर्भों में परिभाषित और विकसित किए जाने की जरूरत थी। किन्तु हमने पूर्ण पाश्चात्य तरीके को अपनाया। पंचायत, जिसको शासन का बुनियादी स्तंभ होना था उसे यूरोपियन स्थानीय स्वशासन की नकल बना कर छोड़ दिया। सौभाग्य से 73वें संविधान संशोधन से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया किन्तु अभी तक भी वे शासकीय दिशा-निर्देशों की गुलाम ही हैं, क्योंकि वे जमीन से नहीं उगाई गईं। आरोपित की गई हैं। उन्हें अपने आत्मविश्वास को आधार बनाने में न जाने अभी कितना समय लगेगा। पाश्चात्य सोच में प्रशिक्षित राजनैतिक नेतृत्व और निरपेक्षता दूसरी बड़ी चुनौती है। भारत के सन्दर्भ में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सर्व धर्म सम भाव ही हो सकता है। यहां धर्म मुक्त शासन संभव नहीं है। हालांकि, बाबा साहब आंबेडकर ने धर्मनिरपेक्ष शब्द संविधान में नहीं रखा था जो बाद में इमरजेंसी में इंदिरा जी के समय में डाला गया। किन्तु भारतीय धार्मिक संस्कार स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष है, क्योंकि इसका उदय और विकास ही विविध तार्किकवाद संवाद से ही हुआ है। इसमें मतान्तर को आदर से देखने की परंपरा है। हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख,और विविध आदिवासी धार्मिक परंपराओं में तर्क को स्थान है और प्रकृति के प्रति श्रद्धा और संरक्षण को मान्यता विद्यमान है, जो आज के पर्यावरण संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए धर्मनिरपेक्षता के नाम पर धर्मांतरण की छूट देना भारतीय परंपरा को कमजोर करने वाला ही सिद्ध होगा, क्योंकि अब्राहिम धर्मों में अन्य धर्मों को आदर से देखने की परंपरा नहीं है। प्रकृति उनके लिए उपभोग की वस्तु है। उनके लिए अपने धर्म में धर्मांतरण करवाना पुण्य का काम है जबकि भारतीय परंपरा में अपने धर्म को छोड़ना और दुसरे के धर्म को छुड़वाना दोनों ही गलत हैं। हर धर्म में समय से कुछ कमियां आ जाती हैं, इसलिए स्वयं ही उनके संशोधन को तैयार रहना चाहिए। गांधी ने इस दिशा में जातिवादी भेदभाव को समाप्त करने के लिए खुले आम आवाज उठाई और जीवनपर्यन्त उसके लिए सच्चाई से लगे रहे। इस परंपरा को आगे बढ़ाना और विस्तारित करने की जरूरत है। बाबा साहेब ने संवैधानिक रूप से जातिवादी भेदभाव से लड़ने के उपकरण उपलब्ध करवाए। सामाजिक रूप से इस कार्य की महत्ता और जरूरत को एक सभ्य समाज के अंदर स्थापित करने का महती कार्य गांधीजी द्वारा शुरू किया गया। बाबा साहेब की भारतीय परंपरा के सकारात्मक पक्षों के प्रति आस्था इस बात से भी पता चलती है कि जब उन्हें लगा कि हिन्दू रहते उन्हें जातिवादी भेदभाव से छुटकारा नहीं मिल सकता तो उन्होंने भारतीय परंपरा से उपजे बौद्ध धर्म को अपनाने का निर्णय किया जिसके लिए भी उनको श्रद्धा से देखा जाना चाहिए। आजादी के बाद एक ओर देश में फैली अव्यवस्था को संभालने का काम था, दूसरी ओर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना था। देश की सीमाओं की रक्षा करनी थी, गरीबी बदहाली में फंस चुके करोड़ों देशवासियों को रोजी-रोटी की व्यवस्था करनी थी। इस मामले में गांधी जी की सोच थी कि ग्रामीण लघु कुटीर उद्योगों के माध्यम से आगे बढ़ना। किन्तु नेहरू के लिए पश्चिमी औद्योगीकरण ही निदान था। हालांकि गांधी जी के नाम पर कुछ करते हुए दिखने के लिए खादी कमीशन जैसे दिखावे के कार्य तो जारी रहे किन्तु बुनियादी तौर पर ग्रामीण लघु उद्योग और कुटीर उद्योगों को अर्थव्यवस्था का आधार बनाने का कार्य अधर में ही लटका रह गया। अगर इस काम को ईमानदारी से करना होता तो कुटीर उद्योगों को नई परिभाषा दी जाती, जिसका अर्थ होता जहां जरूरी हो वहां कुटीर व लघु उद्योगों के उपकरणों में सुधार करते हुए उत्पादन को इतना बढ़ाने की व्यवस्था करना ताकि सारे देश की जरूरतें पूरी की जा सकें और जिन कामों में ऐसा संभव न हो वहां बड़े उद्योगों को स्थान दिया जाए। किन्तु उसके लिए वांछित इच्छा शक्ति का आभाव बना रहा। धीरे-धीरे ग्रामीण उद्योग धंधे औद्योगिक उत्पादन से मुकाबला न कर पाने के चलते समाप्त होते गए और एक बड़ा उत्पादक वर्ग बेरोजगार हो गया। वादे तो यह किए गए थे कि औद्योगीकरण से नए रोजगार पैदा होंगे किन्तु वास्तविकता यह थी कि यदि 100 रोजगार छीने गए तो दस रोजगार ही नए पैदा हुए। जैसे-जैसे मशीनों से उत्पादन में स्वचालित मशीनों का प्रचलन बढ़ता गया, रोजगार के अवसर और भी कम होते गए। कृषि और ग्रामीण उद्योग धंधे भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं किन्तु 60 फीसद लोगों को रोजगार देने वाली खेती भी धीरे धीरे घाटे का सौदा होती चली गई। इससे ग्रामीणों में शहरों की ओर पलायन बढ़ता गया। शहर पलायन का बोझ उठाने में सक्षम नहीं बचे हैं और गांव में खेत काम करने वालों का इंतजार कर रहे हैं। शहर गैस चैंबर बन गए हैं तो गांव उजड़े चमन। बहुत से गांव में बूढ़ों और बच्चों के अलावा कोई नजर नहीं आता। गांधी मार्ग अभी भी रास्ता दिखा सकता है। गांव के उद्योग-धंधों को जिंदा करके गांव खुशहाल हो सकते हैं और शहर साफ सुथरे। खेती में छोटे किसानों को बैलों से खेती के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है, इससे उनकी उत्पादन लागत घटेगी और जमीन के लिए जैविक खाद भी उपलब्ध होगी। इसके लिए बैल पालकों को सब्सिडी दी जाए और जैविक खेती को वैज्ञानिक आधार पर सशक्त किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में कौन-कौन से उद्योग कुटीर स्तर पर संभव हैं उनको नई तकनीकों से लैस करके गांव में खेती के साथ खाली समय के लिए उत्पादक विकल्प उपलब्ध करवाए जाने चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7401

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7400 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

मुकुंद

आज दुनिया में भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र (औषधि विज्ञान) की छवि तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के आह्वान से यह इंडस्ट्री पहले से कई गुना सुदृढ़ हुई है। यही नहीं भारत पिछले छह-सात वर्षों से यूनिसेफ का सबसे बड़ा वैक्सीन आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत ने इस अवधि में यूनिसेफ की कुल खरीद में 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत योगदान दिया। आज का नया भारत क्रमशः डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की मांग का 99 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पूरा करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का औषध विभाग सस्ती दवाओं की कीमत, उपलब्धता, अनुसंधान, विकास और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करता है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीबीआई) की वेबसाइट में 13 अप्रैल को इस आशय के आंकड़े साझा किए गए हैं। इनमें कहा गया है कि भारत को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं का विश्व का सबसे बड़ा प्रदाता बनाने का प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण शामिल है। सबसे बड़ा जोर मेक इन इंडिया पर है। भारतीय दवा उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, कम लागत वाली प्रभावी दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और स्वदेशी ब्रांडों के मजबूत नेटवर्क में इसके प्रभुत्व को दर्शाता है। इसमें चिकित्सा उपकरण उद्योग के कई क्षेत्र अत्यधिक पूंजी-प्रधान हैं। वह इसलिए कि इस क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का निरंतर समावेशन किया जाता है। इसमें मदद के लिए औषध विभाग सरकारी अनुमोदन के माध्यम से एफडीआई प्रस्तावों पर एफडीआई नीति के अनुसार अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए विचार करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक एफडीआई प्रवाह (फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों दोनों में) 11,888 करोड़ रुपये रहा है । इसके अलावा, औषध विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी । भारत सरकार की 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने भी इसमें क्रांतिकारी पहल की है। पीएलआई का प्रमुख उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात बढ़ाना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप यह योजना उत्पादन में प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 फरवरी 2021 को मंजूरी दी थी। इसका वित्तीय परिव्यय 15,000 करोड़ रुपये है। यह तीन श्रेणियों के तहत पहचाने गए उत्पादों के उत्पादन के लिए 55 चयनित आवेदकों को छह साल की अवधि के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है । इस योजना में कैंसर रोधी और ऑटो इम्यून जैसी दवाओं का उत्पादन शामिल है। पीएलआई के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्षित निवेश को पार करना है। प्रारंभिक प्रतिबद्धता 3,938.57 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वास्तविक प्राप्त निवेश पहले ही 4,253.92 करोड़ रुपये (दिसंबर 2024 तक) तक हासिल हो चुका है। इसके अलावा मार्च 2020 में स्वीकृत बल्क ड्रग पार्क योजना (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26) का उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करने और बल्क ड्रग्स में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सामान्य बुनियादी ढांचे वाले पार्क स्थापित करना है। इस योजना के तहत गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को मंजूरी दी दी जा चुकी है। वित्तीय सहायता प्रति पार्क 1,000 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 70 फीसद (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90 फीसद) तक सीमित है।इसका कुल परिव्यय 3,000 करोड़ रुपये है। और सबसे खास प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना है। इसका लक्ष्य पूरे देश में किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। इसके तहत लोगों को समझाया जा रहा है कि इन दवाओं के उत्पादन में गुणवत्ता से कई समझौता नहीं किया जाता। यह धारणा गलत है कि महंगी दवा का मतलब बेहतर प्रभाव होता है। सरकारी अस्पतालों में बीमारी का प्रभावी विकल्प लिखने में जेनेरिक दवाओं को प्राथमिकता दी जाती है। अच्छी बात यह है कि आठ अप्रैल, 2025 तक देश भर में कुल 15,479 जन औषधि केंद्र हैं। करोड़ों लोग इनके माध्यम से सस्ती दवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से रुका हुआ कार्य संपन्न हो सकता है। आज मित्रों से मुलाकात के अवसर बनेंगे और विचारों का आदान-प्रदान भी रहेगा। जिससे कई समस्याओं का समाधान मिलने में भी आसानी होगी। आज परिवार में धार्मिक आयोजन हो सकता है। किसी से ज्यादा उम्मीदें ना रखें बल्कि अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा किसी समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आज पारिवारिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर अधिक विश्वास करने से आपको बचना चाहिए। छात्रों को आज लापरवाही करने से बचना चाहिए। अगर यात्रा कर रहे हैं, तो अपने सामान का उचित ध्यान रखें।

मिथुन राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा 7 कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में नया काम सामने आ सकता है, जिसे आप बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट इन्जीनियर्स के लिए आज का सफलता दिलाने वाला है। आज जीवनसाथी से मनपसंद उपहार मिलेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप बुद्धिमत्ता व होशियारी से सभी काम बेहतर तरीके से पूरा कर लेंगे। विद्यार्थी वर्ग व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाकर अपने अध्ययन के प्रति सचेत रहें। आज कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी। लेकिन ध्यान रखिए, सफलता हासिल करने के लिए आज आपको बहुत मेहनत की जरूरत है। आज आपका रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

सिंह राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके घर में धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। मित्र के साथ किसी विदेश कीयात्रा का योग बन रहा है। आज किसी इम्पोर्टेन्ट पर्सन से अपाकी मुलाकात होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी 7 इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन रिलैक्स से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। अधिकारियों और सहकर्मियों से समय-समय पर मदद मिलेगी। आज आपके बिजनेस मे तरक्की होगी।

तुला राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। अगर आपका सरकारी मामला रुका हुआ है तो आज उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। आपको सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन परिवार वालों को प्रसन्न करेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। आज कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों और सहयोगियों का भरपूर समर्पण रहेगा। आपकी एकाग्रता और उपस्थिति माहौल को अनुशासित रखेगी। आज घर के वातावरण को अनुशासित बनाकर रखने में आपका पूरा सहयोग रहेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज घर और बिजनेस दोनों जगह सामंजस्य रखेंगे और निजी कामों के लिए भी समय निकालने में सफल होंगे। पारिवारिक रिश्ते में मजबूती आएगी। बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह से घर में सकारात्मक ऊर्जा रहेगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। छात्रों को किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम उनके पक्ष में आयेगा। पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों को आज ज्यादा फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहने वाला है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर उठा तूफान

अजीत द्विवेदी

कुणाल कामरा के एक स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर जो तूफान उठा था अभी उसकी गर्द उड़ ही रही है। पहले सोचा था कि इसका गर्दो गुबार बैठ जाए तब इस पर लिखा जाए। परंतु निकट भविष्य में उसकी संभावना नहीं दिख रही है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुश करने के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने कमर कसी हुई है। उसने तय किया है कि हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट कुछ भी कहें कुणाल कामरा को एक बार तो गिरफ्तार करना है ही और मजा चखाना ही है। तभी एक के बाद एक नए मुकदमे दर्ज किए जा हे हैं और नए समन जारी हो रहे हैं। उन जगहों पर पुलिस दबिश दे रही है, जहां कामरा 10 साल से नहीं रहते हैं। पुलिस का जोर कामरा पर नहीं चला तो उन तमाम दर्शकों को नोटिस भेज कर बुलाया गया, जो उनके शो में मौजूद थे। इसके बाद से यह मजाक चल रहा है कि दर्शकों के बाद उन लोगों की बारी है, जिन्होंने यूट्यूब पर कामरा के इस वीडियो को देखा है। समूचा विवाद इस बात का है कि कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे को 'गद्दार कहा। हालांकि उन्होंने शिंदे का नाम नहीं लिया है लेकिन 'ठाणे की रिक्शा, 'चेहरे पे दाढ़ी, 'आंख पे चश्मा, 'गुवाहाटी में छिपना आदि से पर्याप्त इशारा है कि वे किसकी बात कर रहे हैं। यह एक तथ्य है कि शिंदे ने शिव सेना तोड़ी, अपनी अलग पार्टी बनाई, जिसे बाद में चुनाव आयोग ने असली शिव सेना कहा। वे दशकों तक जिस पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठावान बने रहे उससे अलग हुए। कह सकते हैं कि विचारधारा का मतभेद था। इसके बावजूद ऐसे कदमों को राजनीति में दलबदल करना, नेता की पीठ में छुरा भोंकना, धोखा देना, गद्दारी करना आदि ही कहा जाता है। उद्धव ठाकरे की पार्टी के अलावा दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी शिंदे के बारे में ऐसी बातें कही हुई हैं। लेकिन शिंदे समर्थक उनसे नाराज नहीं हुए। उनकी नाराजगी भड़की है कुणाल कामरा पर। कामरा पर नाराजगी क्या इस वजह से भड़की है कि वे कोई नेता नहीं हैं, उनके पास कोई पार्टी नहीं है या कोई सुरक्षा कवच नहीं है या कोई और कारण है? बहरहाल, कुणाल कामरा के स्टैंडअप एक्ट में वह बात सबसे गंभीर या अहम नहीं है, जिस पर सबसे ज्यादा विवाद है यानी शिंदे का मामला सबसे गंभीर नहीं है। उन्होंने 45 मिनट के अपने प्रोग्राम में कई दूसरे गंभीर विषय उठाए हैं और उन पर तीखा व्यंग्य किया है। उन्होंने भारतीय समाज की हिप्पोक्रेसी, देश के उद्योगपतियों के लालच, करोड़पतियों के दिखावे और धन के अश्लील प्रदर्शन पर गहरा व्यंग्य किया है। परंतु किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। ऐसा लग रहा है कि अपने कॉमिक एक्ट से कामरा ने जो गंभीर सवाल उठाए उनको दबाने या छिपाने के लिए एकनाथ शिंदे के मुद्दे पर फोकस बनवा दिया गया हो। कामरा के एक्ट को लेकर जो प्रहसन चल रहा है उसको देख कर अजय देवगन की 'सिंघम फिल्म का एक दृश्य याद आता है, जिसमें हीरो ने विलेन को 'मामूली गुंडा कहा। विलेन ने इस पर भड़कते हुए कहा, 'मामूली किसको बोला? सोचें, उसे गुंडा कहे जाने से तकलीफ नहीं थी, मामूली कहे जाने से थी। वही हाल कामरा की कॉमेडी की है। मामूली बातों पर भावनाएं आहत हुई हैं और गंभीर बातों पर चुप्पी है या उसका मौन स्वीकार है। कामरा ने देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में धन के अश्लील प्रदर्शन का मुद्दा उठाया। मुख्यधारा के किसी आदमी की इस पर बोलने की हिम्मत नहीं हो रही थी। लेकिन कामरा ने यह कहते हुए सवाल उठाया कि 'अंबानी सटल (स्ह्वड्ढह्लद्य) है ही नहीं । उन्होंने एक रूपक के जरिए अपनी बात समझाई कि अंबानी ने दुनिया भर के गायकों, नर्तकों, अभिनेताओं को बुला लिया और सबको सामने बैठा कर कहा कि 'तुम बैठो हम नाचेंगे। रिलायंस समूह यही तो कारोबार में भी कर रहा है। उसकी किसी काम में विशेषज्ञता नहीं है लेकिन उसे सारे काम करने हैं। हर चीज खरीदनी है और हर चीज बेचनी है। कामरा ने बहुत बारीक तरीके अंबानी के निजी चिड़ियाघर का भी मजाक उड़ाया। लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुआ। कामरा के उस एक्ट की सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने देश के तमाम उद्योगपतियों और कारोबारियों की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि इस देश के किसी उद्योगपति ने कोई इनोवेशन नहीं किया है। एक चीज नहीं बनाई है। यह कितनी बड़ी सचाई है कि भारत में जिसके पास 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है वह भी सौ, दो सौ करोड़ रुपए रिसर्च पर या इनोवेशन पर खर्च नहीं करता है। वह इस इंतजार में रहता है कि दुनिया के दूसरे देशों के उद्यमी रिसर्च करें, इनोवेशन करें, नई चीजें बनाएं और बेचने के लिए उसको दे दें। अभी हाल ही में अंबानी और मित्तल दोनों इलॉन मस्क के वेंडर बने हैं। मस्क ने अपने साहस, रिसर्च, इनोवेशन से धरती की कक्षा में सात हजार सेटेलाइट भेजे और उनसे इंटरनेट की सेवा शुरू की। भारत में अंबानी और मित्तल यह सेवा बचेंगें। इस कमाई का पैसा मस्क के पास अमेरिका जाएगा और अंबानी व मित्तल को कमीशन मिलेगा। सोचें, 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति वाला भी अमेरिका के एक कारोबारी का कमीशन एजेंट है। कामरा ने इस हकीकत को अपने एक्ट से जाहिर किया। कुणाल कामरा ने संत जैसे आचरण करने वाले आनंद महिंद्रा और सुधा मूर्ति पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि आनंद महिंदा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लेकर हर चीज पर सोशल मीडिया पोस्ट लिखते हैं लेकिन अपनी गाड़ी की क्वालिटी ठीक नहीं करते हैं। वे उन तमाम बातों में घुसे रहते हैं, जिनसे उनका कोई मतलब नहीं है। ऐसे ही सुधा मूर्ति के 'मैं सिंपल हूं के प्रचार पर भी उन्होंने गहरा तंज किया। उन्होंने कहा कि खुद को सिंपल बताते बताते वे राज्यसभा चली गईं। असल में उनका सिंपल होने का प्रचार एक ब्रांडिंग कैम्पेन से ज्यादा कुछ नहीं है। ओला स्कूटर वाले के साथ उनका पहले से पंगा चल रहा है लेकिन अपने इस एक्ट में उन्होंने ओला स्कूटर की गुणवत्ता और ग्राहकों के साथ उसके व्यवहार को लेकर सवाल उठाया और साथ ही ग्राहकों की हितों की रक्षा करने या उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बनी एजेंसियों के निकम्मेपन या कमजोरी पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन एजेंसियों को ग्राहकों के हितों की रक्षा करनी है वे ओला वाले के यहां जाते हैं तो वह मोदीजी के साथ अपनी तस्वीर उनको दिखा देता है और वे लौट आते हैं। यह देश की मौजूदा क्रोनी कैपिटलिज्म की व्यवस्था बड़ा प्रहार है। कामरा के समूचे एक्ट में सबसे गहरा व्यंग्य भारत में महिलाओं की स्थिति पर है। भारत में पहले भी महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं रही है लेकिन पिछले कुछ बरसों में व्यवस्थित तरीके से महिलाओं की स्वतंत्रता को कमतर करने की कोशिशें हो रही हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल 2025: रन आउट की हैट्रिक बना मुंबई ने दिल्ली को दी मात, दर्ज की पहली जीत

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी हार का सिलसिला तोड़ा और पहली जीत दर्ज की। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली सिर्फ 193 रन ही बना सकी। मैच का निर्णायक क्षण 19वें ओवर में आया, जब मुंबई के फील्डरों ने रन आउट की हैट्रिक बनाकर दिल्ली को पटखनी दी। मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप वाली दिल्ली 19 ओवर में ही ऑलआउट हो गई। मुंबई की ओर से मिले 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को पारी की पहली ही गेंद पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के रूप में झटका लगा। हालांकि इसके बाद अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने दिल्ली की पारी को मजबूती दी और दोनों ने मिलकर 61 गेंदों में 119 रन जोड़ डाले। पोरेल 33 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं तीन साल बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करुण नायर ने 89 रनों की तूफानी पारी खेली। जब नायर आउट हुए तब दिल्ली को 50 गेंदों में जीत के लिए 71 रन की जरूरत थी। यह लक्ष्य बेहद आसान लग रहा था, लेकिन स्पिनरों के आतंक और नई गेंद की जुगलबंदी ने सारा खेल ही बदल दिया। रही रही कसर 19वें ओवर के रोमांच ने पूरा कर दिया। 18.3 ओवर तक 7 विकेट खोकर 192 रन बना लिए थे। लेकिन फिर अगली तीन गेंदों पर लगातार तीन रन आउट ने दिल्ली की उम्मीदों और करुण नायर की शानदार बल्लेबाजी पर पानी फेर दिया। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने तीन और मिचेश सेंटरन ने दो विकेट झटके। जबकि दीपक चहर और जसप्रीत बुमराह के खाते में एक-एक विकेट रहा। इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 205 रन का स्कोर खड़ा किया। मुंबई के लिए तिलक वर्मा और नमन धीर की जबरदस्त बल्लेबाजी का अहम योगदान रहा। तिलक ने 33 गेंदों में 59 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं नमन ने 17 गेंदों में 38 रन की तूफानी पारी खेली। दोनों ने मिलकर 33 गेंदों में 62 रन की धमाकेदार साझेदारी की। इससे पहले सूर्यकुमार यादव (40) और रायन रिकलटन (41) ने भी अपने-अपने बल्लेबाजी से मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दिल्ली की ओर से कुलदीप यादव और विपराज निगम ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली।

रोहित का लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक : मांजरेकर

अहमदाबाद। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि आगामी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर भी जाना है उसको देखते हुए रोहित का फार्म हासिल करना जरुरी है। मांजरेकर ने कहा कि टेस्ट ओर टी20 प्रारुप अलग होता है पर इसके बाद भी रन बनने से खिलाड़ी की लय बनी रहती है और उसका मनोबला बढ़ा हुआ रहता है। मांजरकेर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के मैचों में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही। वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, ' इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा।

कार्लोस अल्कराज ने जीता मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब

मोनाको। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर अपना पहला मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। 21 वर्षीय अल्काराज ने यह मुकाबला 3-6, 6-1, 6-0 से अपने नाम किया। यह कार्लोस अल्कराज के करियर का छठा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब है। इसके साथ ही यूरोपीय क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत उन्होंने जीत के साथ की है। अब अल्कराज फ्रेंच ओपन में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

मुसेट्टी ने पहले सेट में चौंकाया, लेकिन फिर अल्काराज ने की वापसी- मैच की शुरुआत में अल्कराज लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते दिखे और उन्होंने अपने शुरुआती दो सर्विस गेम गंवा दिए। पहले सेट में उन्होंने 14 अनफोर्स्ड एरर किए, जिसका फायदा उठाकर मुसेट्टी ने 6-3 से बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद अल्कराज ने जबरदस्त वापसी की और दूसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। तीसरे और निर्णायक सेट में उन्होंने मुसेट्टी को पूरी तरह दबाव में रखते हुए 6-0 से मुकाबला समाप्त कर खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान लोरेंजो मुसेट्टी को तीसरे सेट में दाहिने पैर में परेशानी हुई, जिसके लिए उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, वह कोर्ट पर लौटे, लेकिन ज्यादा संघर्ष नहीं कर पाए। जीत के बाद अल्कराज ने कहा, "मैं इस तरह मैच नहीं जीतना चाहता था। लोरेंजो ने इस हफ्ते बेहद कठिन मुकाबले खेले। मैं उनके लिए दुख महसूस कर रहा हूं कि मुकाबला इस तरह खत्म हुआ। मैं मोंटे कार्लो का खिताब जीतकर बेहद खुश हूं। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मुश्किल भरे रहे, लेकिन मेहनत का नतीजा देखकर अच्छा लग रहा है।" इस जीत के साथ ही कार्लोस अल्कराज सोमवार को जारी होने वाली ताजा एटीपी रैंकिंग में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पीछे छोड़कर विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। पिछले साल फ्रेंच ओपन के बाद से क्ले कोर्ट पर अल्कराज का यह 17वां जीत और कुल रिकॉर्ड 17-1 है। उन्हें इस दौरान एकमात्र हार पेरिस 2024 ओलंपिक के फाइनल में नोवाक जोकोविच के हाथों मिली थी।

ऋतुराज की जगह आयुष को शामिल करेंगी सीएसके, पृथ्वी की वापसी का सपना टूटा

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम कप्तान ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उनकी जगह पर मुंबई के उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शामिल करेगी। सीएसके के इस कदम से खराब दौर से गुजर रहे पृथ्वी शॉ को करारा लगा है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान के श्रीकांत ने कहा था कि सीएसके को ऋतुराज की जगह पर पृथ्वी को शामिल करना चाहिये पर इस बल्लेबाज के खराब फार्म को देखते हुए सीएसके इसके लिए तैयार नहीं है। जिससे पृथ्वी की आईपीएल में वापसी की उम्मीदें भी समाप्त हो गयी हैं। इसी को देखते हुए, सीएसके इस साल ईरानी कप मैच में मुंबई की ओर से फर्स्टक्लास डेब्यू करने वाले आयुष को शामिल करने की दिशा में काम कर रही है। सीएसके प्रबंधन की ओर से कहा गया, "आयुष कुछ दिनों में टीम से जुड़ेंगे।" इस रिपोर्ट में कहा गया, "उन्हें तुरंत फ्रेंचाइजी में शामिल होने के लिए कहा गया है पर टीम के साथ जुड़ने में उन्हें कुछ समय लगेगा। आयुष इससे पहले हुई नीलामी में नहीं बिके थे जबकि उनका आधारमूल्या 30 लाख रुपये था।" फ्रेंचाइजी ने म्हात्रे को चेन्नई में ट्रायल के लिए बुलाया जिसमें गुजरात के उर्विल पटेल और उत्तर प्रदेश के सलमान नज़र भी शामिल थे। पृथ्वी का नाम भी सामने आया पर प्रबंधन ने गायकवाड़ के विकल्प के रूप में आयुष को शामिल किया। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने पिछले साल घरेलू डेब्यू के बाद से ही नौ फर्स्टक्लास और सात लिस्ट ए मैच खेले हैं। उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट में दो शतक और 50 ओवर के प्रारुप में दो शतक लगाये हैं। अपने अंतिम लिस्ट ए मैच में, म्हात्रे ने सौराष्ट्र के खिलाफ 148 रन बनाए और सात ओवर में 33 रन देकर एक विकेट भी लिया।

धोनी अब संन्यास लेकर कमेंट्री करें : हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को अब संन्यास लेकर कमेंट्री करनी चाहिये। हेडन ने कहा कि धोनी अब अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। इसलिए उन्हें वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिये। आईपीएल के इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। धोनी बल्लेबाज के लिए निचले क्रम पर भी उतरते हैं। इसके पीछे का कारण कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ये बताया है कि धोनी का शरीर अब पहले जैसा नहीं है , वहीं हेडन का माना है कि धोनी को संन्यास के बाद कमेंट्री करनी चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर का माना है कि धोनी ने अब लय खो दी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान धोनी के माता-पिता की मौजूदगी ने उनके संन्यास की अटकलें ते हुई थी पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसका कारण है कि धोनी को टीम ही नहीं छोड़ रही है। रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने से उन्हें उन्हें एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ रही है। वहीं फ्लेमिंग ने कहा है कि धोनी अपने संन्यास पर फैसला स्वयं करेंगे। मुझे इस बारे में नहीं पता। मैं उनके साथ काम करके खुश हूं। वह अभी भी मजबूत हैं और खेल का आनंद ले रहे हैं।

व्यापार

पीएमएमवाई के तहत 33 लाख करोड़ रुपये के गारंटी मुक्त ऋण स्वीकृत, 68 फीसदी लाभार्थी महिलाएं: पंकज चौधरी

नई दिल्ली/नागपुर। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 52 करोड़ लोगों को कारोबार शुरू करने के लिए 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के बिना गारंटी वाले लोन दिए गए हैं। इन लाभार्थियों में 68 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने नागपुर में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारियों के 77वें बैच को संबोधित करते हुए यह बात कही। पंकज चौधरी ने आर्थिक वद्धि को लेकर देश के दृष्टिकोण पर कहा, ''पिछले 10 वर्षों में हमारी सरकार ने 52 करोड़ लोगों को 33 लाख करोड़ रुपये से अधिक के बिना गारंटी वाले लोन दिए हैं। यह ऋण 50,000 रुपये से लेकर 20 लाख रुपये तक के हैं।'' आईआरएस के 77वें बैच के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, ''आज लोग इन लोन की मदद से नए-नए कारोबार की शुरुआत कर रहे हैं। देश की आर्थिक वृद्धि में अपना योगदान दे रहे हैं।'' चौधरी ने कहा कि इन लाभार्थियों में 68 फीसदी महिलाएं हैं, उन्होंने नए व्यवसाय शुरू किए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने नवप्रशिक्षित अधिकारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें देश की आर्थिक संरचना को मजबूत करने और करदाताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी और परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके अलावा चौधरी ने भारतीय संविधान के शिल्पी, 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर नागपुर स्थित पावन दीक्षाभूमि पहुंचकर नमन किया। वित्त रज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बाबा साहेब की धरोहरों के संरक्षण और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इनमें पंच तीर्थों का विकास, संवैधानिक मूल्यों की चेतना और सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाया है, जो इसी संकल्प का प्रमाण हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना सस्ता होकर 95,660 रुपये से लेकर 95,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,690 रुपये से लेकर 87,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आई कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 87,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है जबकि 22 कैरेट सोना 87,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन होगा स्टॉक मार्केट में कारोबार, शुक्रवार को भी रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली। आज से शुरू हुआ अप्रैल का तीसरा सप्ताह स्टॉक मार्केट के लिहाज से सिर्फ तीन दिन का सप्ताह रहने वाला है। स्टॉक मार्केट में आज डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर छुट्टी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ ही सभी बड़े कारोबारी सेगमेंट्स में आज कामकाज नहीं हो रहा है। मंगलवार 15 जनवरी को शेयर बाजार खुलेगा। इसके बाद 16 और 17 अप्रैल को बाजार में सामान्य कारोबार होगा, जबकि शुक्रवार 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की वजह से स्टॉक मार्केट में एक बार फिर छुट्टी हो जाएगी। डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती की छुट्टी होने के कारण आज गिफ्ट निफ्टी को छोड़कर स्टॉक मार्केट से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद हैं। इक्विटी सेगमेंट में तो कारोबार नहीं ही हो रहा है, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बौरोइंग्स (एसएलबी), करंसी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट्स (ईसीआर) में भी कोई कारोबार नहीं हो रहा है। स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार इस महीने शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के अलावा इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 18 अप्रैल को स्टॉक मार्केट में गुड फ्राइडे की छुट्टी होगी। स्टॉक एक्सचेंज के हॉली-डे कैलेंडर के अनुसार अप्रैल महीने के बाद इस साल 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर स्टॉक एक्सचेंज बंद रहेगा। इसके अलावा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी के अवसर पर, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन, 21 और 22 अक्टूबर को दिवाली के अवसर पर, 5 नवंबर को प्रकाश पर्व के मौके पर और 25 दिसंबर को क्रिसमस के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी।

अब इंडिगो की उड़ानें नई दिल्ली के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से संचालित होगी

- दिल्ली एयरपोर्ट पर 15 अप्रैल से टर्मिनल-2 से एयरलाइन कंपनी इंडिगो की उड़ानें बंद

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को कहा कि वह 15 अप्रैल से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर टर्मिनल-2 से संचालित होने वाली अपनी सभी उड़ानों को टर्मिनल-1 पर स्थानांतरित करेगी। इंडिगो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 15 अप्रैल से टर्मिनल 2 पर आने और वहां से प्रस्थान करने वाली उसकी सभी उड़ानें टर्मिनल 1 से संचालित होंगी। इस परिवर्तन के कार्यान्वयन के साथ इंडिगो अब इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 और टर्मिनल 3 से संचालित होगी। कंपनी ने बताया कि यह अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा, क्योंकि एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर रखरखाव का काम शुरू होने वाला है। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि यह परिवर्तन परिचालन पुनर्गठन का हिस्सा है। इससे टर्मिनल-3 से संचालित होने वाली उड़ानें प्रभावित नहीं होंगी तथा वे बिना किसी परिवर्तन के अपने निर्धारित समय पर जारी रहेंगी। यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन ने सभी प्रभावित यात्रियों और यात्रा भागीदारों को एसएमएस, फोन कॉल और ईमेल सूचनाओं के जरिए सूचित करना शुरू कर दिया है। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे एयरपोर्ट पर जाने से पहले आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर अपना यात्री नाम रिकॉर्ड (पीएनआर) प्राप्त करके अपने टर्मिनल विवरण को सत्यापित करें।

केंद्र ने गैस मीटरों के लिए बनाए मसौदा नियम, परीक्षण, सत्यापन और मुहर लगाना अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार किए हैं। इस नियम के तहत व्यापार और वाणिज्य के लिए उपयोग में लाए जाने से पहले गैस मीटरों का परीक्षण, सत्यापन और स्टाम्पिंग अनिवार्य होगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि विभाग ने विधिक मापविज्ञान (सामान्य) नियम, 2011 के तहत गैस मीटरों के लिए मसौदा नियम तैयार करके उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने, न्यायसंगत व्यापार पद्धतियों को बढ़ावा देने और गैस के उपयोग में सटीक माप सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन नियमों के तहत गैस मीटरों के उपयोग में लाने पर उनकी शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए इन नियमों के अंतर्गत उनका पुनः सत्यापन भी निर्धारित किया गया है, ताकि उपयोग में होने पर उनकी शुद्धता सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय के अनुसार इन नए नियमों का प्राथमिक उद्देश्य गैस के मापन में सटीकता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। सत्यापित और मुहर लगे गैस मीटर अधिक शुल्क लेने या कम मापन को रोकेंगे, विवादों में कमी लाएंगे और उपभोक्ताओं को दोषपूर्ण या हेरफेर किए गए उपकरणों से निश्चित तौर पर सुरक्षा प्रदान करेंगे। उपभोक्ताओं को उचित बिलिंग, बेहतर ऊर्जा दक्षता तथा मानकीकृत एवं अनुरूप उपकरणों की बदौलत कम रखरखाव लागत के जरिए सीधा लाभ मिलेगा। उपभोक्ताओं को होने वाले लाभों के अलावा यह नियम विनिर्माताओं और गैस वितरण कंपनियों के लिए सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों और इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ लीगन मेट्रोलॉजी (ओआईएमएल) मानकों के अनुरूप है।

छोरी 2 मूवी रिव्यू: सोहा अली खान ने की दमदार वापसी

नुसरत भरुचा की हॉरर फिल्म में खौफ की है कमी

अमेजन प्राइम की तारीफ की जानी चाहिए कि उसने ऐसी कहानियां दिखाईं जो सच्ची हैं। हॉरर जॉनर में गहरी दिलचस्पी रखने वाले निर्देशक विशाल फुरिया छोरी 2 के साथ वापस आ गए हैं। उन्हें नुसरत भरुचा का साथ मिला है, एक ऐसी अदाकारा जिसने बार-बार अपनी क्षमता दिखाई है, लेकिन इस बार उनके साथ सोहा अली खान हैं, जो सीक्वल में भी प्रभावशाली हैं। छोरी ने पहले ही हमारे दिमाग पर एक भयावह छाप छोड़ी थी और अब छोरी 2 भी इसी तरह की कहानी पर आधारित है। कुछ किरदार नए हैं और कई वही हैं। फिल्म की कहानी साक्षी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार नुसरत भरुचा ने निभाया है, जो मातृत्व की अटूट डोर से बंधी हुई है और उसने अपने क्रूर पति के साथ-साथ अपने क्रूर पापी को भी कठोर सबक सिखाया है। वह अपनी नाजुक बेटी के साथ एक शापित और निषिद्ध स्थान पर शरण चाहती है। सात खतरनाक साल बीत जाते हैं, फिर भी उसकी प्यारी बेटी सूरज की जीवनदायी, जीवंत किरणों के बीच एक क्षण भी नहीं टिक पाती। यह धूर्त अपहरणकर्ता कौन है और वे इस मासूम बच्ची पर क्या-क्या अत्याचार करने की साजिश रच रहे हैं? ये इस इमोशन हॉरर ड्रामा में आपको देखने को मिलेगा। निर्देशक विशाल फुरिया की भी इस बात के लिए तारीफ की जानी चाहिए कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में हॉरर के तय फॉर्मूले को न अपनाते हुए हिम्मत दिखाई है। लगता है उन्होंने आदित्य सरपोतदार की मुंज्या से कुछ प्रेरणा ली है। उनकी कहानी की खलनायिका के पास अपनी ताकत है, वह एक जगह बैठकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर सकती है। वह अपने शिकार को धोखा देकर अपने पास भी ला सकती है। इस किरदार को सोहा अली खान ने निभाया है। उन्हें स्क्रीन पर देखकर डर लगता है, यही उनके किरदार की जीत है। लेकिन निर्देशक ने यह सुनिश्चित किया है कि नुसरत ही फिल्म की हीरो बनी रहें। छोरी 2 कहानी के संवेदनशील केंद्र पर सीधा प्रहार करती है। अप्रत्याशित घटनाओं की एक सतत धारा सामने आती है, जो आपको हर पल स्क्रीन पर जमे रहने के लिए उत्सुक बनाती है। फिल्म की कहानी भी दिलचस्प है। क्लाइमेक्स जिसमें साक्षी के साथ दिवंगत आत्माएं शैतान से लड़ती हैं, वह भी बढ़िया बनाया गया है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए दर्शकों से जो धैर्य चाहिए, वही इस फिल्म की असली कसौटी है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी बहुत प्रभावी नहीं है। ग्रामीण इलाकों की ऐसी कहानियों में वहां के लोक संगीत को मौका दिया जाना चाहिए था। विशाल फूरिया को हैरी पॉटर जैसा सीन बनाने से भी बचना चाहिए था, जिसमें चेहरे के जरिए किसी व्यक्ति की आत्मा को बाहर निकाला जाता है। इसके अलावा, लेखक कई बिल्ड-अप के बाद हॉरर पार्ट को पूरा नहीं कर पाए। नुसरत और उनकी बेटी हार्दिका शर्मा ने सराहनीय काम किया है। नुसरत के क्लाइमेक्स सीन तारीफ के काबिल हैं। हार्दिका ने सात साल की लड़की की भूमिका में दिल को छू लेने वाला अभिनय किया है, जिसे शादी के लिए तैयार किया जा रहा है। जिस तरह से नुसरत ने एक मां द्वारा अपने मासूम बच्चे की रक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम को दिल को छू लेने वाला बताया है, वह तीव्रता और गहराई से भरा हुआ है। भावनात्मक और भयावह दोनों ही दृश्यों में उनका चित्रण बेदाग है। सोहा अली खान सीक्वल का सबसे बेहतरीन हिस्सा हैं। दासी मां के किरदार में वह अप्रत्याशित और बेहद मार्मिक हैं। सोहा को पहले कभी इस तरह के नकारात्मक किरदार में नहीं देखा गया है, इसलिए यह और भी दिलचस्प हो जाता है। गश्मीर महाजनी का योगदान भी कहानी को आगे बढ़ाने में प्रभावी है। सीक्वल अपनी पहली फिल्म की रिलीज के चार साल बाद रिलीज हुआ है। हालांकि हमें इंतजार का अंदाजा नहीं था, लेकिन लगता है कि छोरी 2 का आगमन सही समय पर हुआ है। फिलहाल हॉरर जॉनर की फिल्मों को खूब पसंद किया जा रहा है और चूंकि विशाल फुरिया की कई डिपार्टमेंट में कोई कमी नहीं है, इसलिए दर्शकों को इस फिल्म को आजमाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की फिल्म में खामियां हैं, लेकिन सिर्फ वही जिन्हें आसानी से नजरअंदाज किया जा सकता है। बीच में कुछ बोरिंग पहलुओं की वजह से ही छोरी 2 को 5 में से 3 स्टार दिए जा रहे हैं।

तब्बू की 5 साल बाद साउथ में वापसी, हाथ लगी विजय सेतुपति की नई फिल्म

तब्बू को पिछली बार अजय देवगन के साथ फिल्म औरों में कहां दम था में देखा गया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर पर उनकी यह फिल्म नहीं चली। इससे पहले आई तब्बू की फिल्म क्रू ने टिकट खिड़की पर खूब धमाल किया था। तब्बू न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि साउथ में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं और अब वह एक और दक्षिण भारतीय फिल्म से जुड़ गई हैं, जिसमें उनके साथ विजय सेतुपति नजर आएंगे। साउथ के स्टार विजय सेतुपति को अभिनय का स्कूल कहा जाता है। उनकी फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ समय से वह एक पैन इंडिया फिल्म को लेकर चर्चा में है। हालांकि, इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस फिल्म के निर्माताओं ने अब इसमें तब्बू का स्वागत किया है। अब तब्बू के फिल्म से जुड़ने के बाद इसे लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। तब्बू के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, वह शानदार हैं। वह धमाकेदार हैं। वह तब्बू हैं। भारतीय सिनेमा की रत्न तब्बू का हम गर्व से अपनी फिल्म में स्वागत करते हैं। फिल्म में उनका किरदार उनकी ही तरह जबरदस्त होगा। विजय की इस फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं, वहीं फिल्म का निर्माण भी पुरी जगन्नाथ के प्रोडक्शन हाउस पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले किया जा रहा है। तब्बू को आखिरी बार फिल्म अला वैकुंठपुरमुलु में देखा गया था, जो साल 2020 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अल्लू अर्जुन और पूजा हेगड़े ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी। इसमें तब्बू अल्लू की मां यसोदा के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। साउथ में तब्बू ने अपनी शुरुआत साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म कुली नंबर 1 से की थी। इसके बाद उन्हें कई तेलुगू और तमिल फिल्मों में देखा गया। तब्बू जल्द ही निर्देशक भारद्वाज की अगली फिल्म में नजर आएंगी। यह वही फिल्म है, जिसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ये दोनो कलाकार इससे पहले विशाल की फिल्म हैदर में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में तब्बू की जोड़ी तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। इसके अलावा तब्बू अभिनेता अक्षय कुमार के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में भी अहम भूमिका निभाने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सलमान खान की फिल्म सिकंदर हुई फ्लॉप, लाखों में सिमटी कमाई

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद के खास मौके पर यानी 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। उनकी इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को बड़ी उम्मदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी है। हर गुजरते दिन के साथ फिल्म की कमाई घटती जा रही है। आलम यह है कि 12वें दिन इस फिल्म की कमाई लाखों में सिमट गई है। आइए जानें अब तक सिकंदर ने कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिकंदर ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 107.85 करोड़ रुपये हो गया है। दुनियाभर में सिकंदर ने 200 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। इस फिल्म ने अब तक 220 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं। गौरतलब है कि फिल्म का अनुमानित बजट लगभग 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। सिकंदर के निर्देशन की कमान एआर मुरुगदॉस ने संभाली है, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी बनाई थी। साजिद नाडियाडवाला फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी पहली बार रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। फिल्म में प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल, सत्यराज और शरमन जोशी सहित कई कलाकार सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं। सिकंदर की कहानी एक ऐसे इंसान की है, जो भ्रष्ट सिस्टम से परेशान हो चुका है और अब इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है।

लॉगआउट में बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा : रसिका दुग्गल

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, "बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था।" उन्होंने कहा, "मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ किस्सा में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा।" अभिनेत्री ने 'लॉगआउट की टीम के बारे में कहा, "मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं किस्सा के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।" अमित गोलानी के निर्देशन में बनी लॉगआउट की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लॉगआउट का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया था। 'लॉगआउट का प्रीमियर 18 अप्रैल को जी5 पर होगा।

PM *'votebank ka virus'* jibe at Congress draws 'lip service to Ambedkar' counter

Agency: Prime Minister Narendra Modi on Monday claimed that the Congress was bitten by "votebank ka virus" for opposing the newly-passed Waqf Amendment Act, saying the party betrayed BR Ambedkar's vision of the Constitution for social justice by weaponising it for their own benefit and turning it into a tool for "appeasement". However, his remarks were quickly countered by Congress chief Mallikarjun Khagre who accused the Prime Minister of paying only "lip service" to B R Ambedkar's legacy but doing nothing to fulfil his wishes. "Congress turned our sacred Constitution into a weapon for gaining power. Whenever Congress sensed a threat to its hold on power, it trampled the Constitution," PM Modi said while inaugurating the Hisar airport in Haryana. Going a step further, PM Modi claimed that the Congress ignored Ambedkar's vision of "equality" and instead, spread the "virus of vote bank politics." "Congress has become the destroyer of Constitutions. Dr Ambedkar wanted to bring in equality, but Congress spread the virus of vote-bank politics. Babasaheb wanted every poor, every backward to be able to live with dignity and with their heads held high, to have dreams and complete them," he said. Drawing attention to the newly amended Waqf act, the Prime Minister said that it was the need of the hour as the "lakhs of hectares" of land were not being used to serve the poor and needy, but the land mafia instead. "There are lakhs of hectares of land in the name of Waqf. If benefits from Waqf properties had been given to the needy, it would have benefitted them. But the land mafia benefitted from these properties," he said. PM Modi pointed out that with the passage of the newly-amended Act, poor Muslims will get justice and the "loot of the poor will stop." Upping the ante on Ambedkar Jayanti, PM Modi claimed that Congress never used the Constitution to benefit anyone, including the Muslims, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and Other Backward Classes. "Congress has always treated SCs, STs, and OBCs as second-class citizens. While their leaders were enjoying themselves in their own swimming pools, only 16 out of every household had the facility to get piped water," said PM Modi. Hitting out at the Prime Minister, kharge said, "The Modi government takes the name of Ambedkar but is not ready to fulfil his aspirations and wishes. They only pay lip service." "The Centre is making policies

on the basis of the 2011 census and nothing is known about the 2021 census that was supposed to happen. Policies are made on the basis of census. We demand that along with the general census, a caste census should also be conducted so as to know how much which section has progressed," he added.

Salman Khan again gets threat; sender threatens to enter his house, blow up his car

Agency: The Mumbai traffic police have got a message threatening actor Salman Khan and registered a case, officials said on Monday. In the message, received on the traffic police's WhatsApp helpline on Sunday, the sender threatened to blow up the actor's car and also thrash him by entering his residence, a police official said. An official posted at the traffic police control room then alerted seniors. The Worli police here registered a case against the unidentified person under Section 351(2)(3) (criminal intimidation) of the Bharatiya Nyaya Sanhita, he said. A probe

is on, the official added. The traffic police helpline has received many threat messages targeting the 59-year-old actor in the recent past. Khan had earlier received death threats from the Lawrence Bishnoi gang. While Bishnoi is lodged in Ahmedabad's Sabarmati jail in cases including attempted murder and extortion, suspected members of his gang opened fire outside the actor's Bandra home in April last year. Weeks after that, the Navi Mumbai police claimed to have uncovered a plot by the Bishnoi gang to kill Khan when he travelled to his farmhouse at Panvel near Mumbai.

Woman stripped off hijab, Hindu man beaten in UP's Muzaffarnagar

Agency: A woman was allegedly stripped off her hijab and a Hindu man accompanying her was assaulted by a group of men in Uttar Pradesh's Muzaffarnagar on Tuesday. A video of the incident, which went viral on social media, sparked massive outrage. In the video, a man is seen forcibly removing the woman's hijab, while others verbally abuse, harass, and physically assault her and the man who was accompanying her. The altercation occurred in a narrow lane in Khalapar area when the duo, 20-year-old Farheen and a man named Sachin, were going to collect a loan instalment.

Farheen, daughter of Farhana, who is a resident of Khalapar and an employee of Utkarsh Small Finance Limited, was accompanied by Sachin on a motorcycle on her mother's instructions. On the way, they were confronted by a group of 8-10 men who allegedly abused and

physically assaulted them. The entire incident was recorded on a mobile phone by a bystander and later circulated widely on various social media platforms, drawing immediate attention from both the public and authorities. Upon receiving information, police rushed to the spot, dispersed the mob, and escorted the duo safely to the police station. A case was registered under relevant sections of Bharatiya Nyaya Sanhita after Farheen filed a complaint.

"On April 12, between approximately 4 and 4:30 PM, a Hindu man from Bhavan area and a Muslim woman from Khalapar, both associated with Utkarsh Small Finance Bank, were returning from Sujdu after collecting a loan installment. They were stopped and assaulted by some locals in Darzi Wali Gali," Muzaffarnagar City Circle Officer (CO) Raju Kumar Sao stated. The six accused were arrested by the police after the woman filed a complaint. Later, all the accused were seen limping at the police station and were escorted by cops. However, social media users suspected that the limping was 'staged'.

"Further arrests will be made as more people are identified from the video. Strict legal action will follow," CO Raju Kumar Sao said.

India has filed for extradition of fugitive Mehul Choksi: Belgium

Agency: The Belgian federal public service of justice on Monday confirmed that India has filed an extradition request for fugitive Mehul Choksi, who has been arrested in Belgium for his involvement in the Rs 13,000 crore PNB bank loan "fraud" case. The Belgian federal public service of justice said, "Mehul Choksi was arrested on Saturday, April 12, 2025. He is being detained in anticipation of further judicial proceedings. Access to his legal counsel has been assured. The Belgian Federal Public Service of Justice can confirm that the Indian authorities have introduced an extradition request for Choksi." Choksi, 65, was taken into custody by Belgian authorities on Saturday (April 12) after the Central Bureau of Investigation (CBI) and the Enforcement Directorate (ED) requested his extradition. He had been living in Antigua since fleeing India in 2018, and was recently traced to Belgium, where he had reportedly gone for medical treatment. Choksi is the second main accused in the PNB scam after his nephew, Nirav Modi, who is currently in a London prison and is also fighting extradition to India. Sources said that although the Interpol Red Notice against Choksi was deleted some time ago, Indian agencies have been actively pursuing his extradition. Two arrest warrants issued by a Mumbai special court in 2018 and 2021 were shared with Belgian authorities as part of the request. Formal extradition procedures are currently underway, and Choksi may seek bail on health grounds.

His lawyer, Vijay Agarwal, confirmed the arrest and said that Choksi is currently in a Belgian prison. "At the moment, he is in prison and there (Belgium), the procedure is not to apply for bail but file an appeal. During that appeal, request is made that he should not be kept in detention and he should be permitted to defend himself and oppose the extradition request while not being in custody," Agarwal said, adding that their legal defense will also highlight concerns about prison conditions in India and

claim the case is politically motivated. Choksi, his company Gitanjali Gems, Nirav Modi, their associates, and some PNB officials were booked by the CBI and ED in 2018 for allegedly cheating the bank. The scam involved the fraudulent issuance of Letters of Undertaking (LOUs) and Foreign Letters of Credit (FLCs), causing massive financial losses. The CBI has filed two charge sheets against Choksi, while the ED has submitted three prosecution complaints in connection with the case.

Union law minister Arjun Ram Meghwal on Monday called the arrest of Choksi a "success" for India's diplomatic efforts. "Look, our external affairs minister has said clearly, and I will also repeat it. The government under the leadership of Prime Minister Narendra Modi has had successful diplomacy, which is part of the foreign policy. Because of successful diplomacy only we can do this work (extradition). This is a proud moment for India," Meghwal said during a program paying tribute to BR Ambedkar. Following Choksi's arrest, minister of state for finance Pankaj Chaudhary lauded the move, calling it a "very big achievement." "Prime Minister Narendra Modi had already said that those who have looted the money of the poor will have to return it. And action is being taken against such people in the country. Mehul Choksi has been arrested; it is definitely a very big achievement," Chaudhrary said.

Meanwhile, Choksi's lawyer, Vijay Aggarwal, said that his "human rights" will be "greatly affected" if he is extradited back to the country. "His human rights will be greatly affected," Aggarwal said. "That's a procedure. Basically, we will be defending it on two grounds. It is a political case and, secondly, because of the human condition in India," he added.

Centre might take fight back to SC as ruling curtails President's power

Agency: The central government is likely to challenge the Supreme Court's recent landmark judgment that set a deadline for governors and the President to clear Bills passed by state Assemblies. The April 8 ruling in the State of Tamil Nadu vs the governor, in a way, curtailed the powers of the President too. The Centre is planning to move a review petition, sources told news agency PTI and other news outlets. With the ruling, the Supreme Court set a three-month deadline for the President on Bills referred by governors. This, in a way, takes away the President's power of "absolute veto". The judgment in the Tamil Nadu case was delivered by a two-judge bench of Justice JB Pardiwala and Justice R Mahadevan.

It wasn't clear, however, what the review petition would challenge. It wasn't divulged if the Centre would be seeking a review of the deadline that had been set or the doing away with the absolute veto of the President. It might also seek a review on the grounds that the Centre didn't get to put forward its arguments in the case. This will be clear once the government approaches the apex court. Discussions are on at the highest echelon of the government on the review petition and, in all probability, it will be filed in the Supreme Court, PTI reported, quoting sources. Attorney General (AG) of India, R Venkataramani, told The Indian Express that the President should have been heard in the matter, but refused to confirm if the Centre would be filing a review petition. The Hindu, quoting an unnamed senior official, said that a petition was being readied seeking a review on the Supreme Court judgment as "the Centre's points were not reflected strongly enough during the arguments in the case". The Indian Express reported that the Home Ministry -- the nodal agency for processing references of Bills and communicating the President's decisions to states -- has cited certain "infirmities" in points of law as this matter directly involves its jurisdiction.

The Supreme Court also used extraordinary powers vested in it under Article 142 of the Constitution, and cleared 10 Bills that were delayed by Tamil Nadu Governor RN Ravi. This extraordinary step resulted in the implementation of laws without the signature of a governor or the President, a first in India. Among the Bills cleared by the Supreme Court, were even those rejected by the President.

Attorney General Venkataramani told The Indian Express that the President was not given a chance to be heard before deciding upon her powers by the Supreme Court. It was the AG who represented the governor of Tamil Nadu, RN Ravi, in this case. Setting a deadline, the two-judge bench of the Supreme Courts said: "We deem it appropriate to adopt the timeline prescribed by the Ministry of Home Affairs... and prescribe that the President is required to take a decision on the bills reserved for his consideration by the Governor within a period of three months from the date on which such reference is received." The Supreme Court held the delay on the 10 Bills for the President's consideration in the second round as "illegal" and "liable to be set aside". The court then said that "Where the Governor reserves a Bill for the consideration of the President and the President in turn withholds assent thereto then, it shall be open to the State Government to assail such an action before this Court". Another point of contention could be how the April 8 judgment curtails the power of the President by setting deadlines to decide upon the Bills passed by the state legislature. This, in fact, takes away the power of "absolute veto" of the President, given under Article 201 of the Indian Constitution.

Muslim keeps Quran in heart and Constitution in hand: Jharkhand minister

Representative ▪ Ranchi

Jharkhand minister Hafizul Hassan ignited a massive political firestorm on Monday after the JMM leader said he prioritises Shariat over Constitution, and claimed that a Muslim "keeps the Quran in his heart and the Constitution in his hand". The Bharatiya Janata Party (BJP) lashed out at Hassan calling his comments "a blatant insult" to Indian democracy. "For those who have Sharia in their hearts, the doors to Pakistan and Bangladesh are open. India will run only under the Constitution of Baba Saheb Dr Bhimrao Ambedkar and will remain supreme," the Jharkhand unit of BJP said in a post on X. Zubin Ashara, who serves as the state media co-head of Gujarat BJP, further accused the INDIA bloc of being packed with "people who treat religious law as superior to the very foundation of our nation." "A minister like Hassan Ansari saying Sharia outweighs the Indian Constitution is not boldness, it's a blatant insult to our democracy. INDI Alliance seems packed with such mindset people who treat religious law as superior to the very foundation of our nation," he said.

On Sunday, Hassan speaking about the ongoing Waqf protests across the country said that a Muslim "keeps the Quran in his heart and the Constitution in his hand." Hassan, who serves as the minority affairs minister in the JMM-led government, accused the Central government of targeting Muslims in order to "send them to jail." "Waqf is not a new concept – it has existed for 1,400 years and continues today. Shariat is bigger for me. We keep Quran in our heart and the Constiution in our hand. A muslim keeps the Quran in his heart and Constitution in his hand. So we will first hold the Shariat and then the Constitution," he said while speaking to a local news channel. He labelled the Waqf Act a "political stunt" by BJP, warning that within the next six months, the Centre would introduce laws targeting Christians and tribal communities. Hassan's comments come as the country is witnessing widespread protests with the agitation in West Bengal leading to over 200 arrests.

"Muslims sabr mein hai kabr mein nahi (muslims are patient, but not dead)," Hassan said, adding, "If they push us too far, it will lead to massive unrest both in the country and globally." On 5 April, President Droupadi Murmu approved the Waqf (Amendment) Bill, 2025, and the Mussalman Wakf (Repeal) Bill, 2025, both passed during the budget session. The amendment bill aims to modernise waqf property management, streamline surveys, registrations, and dispute resolution, and empower stakeholders. However, it has triggered backlash, with parties like Congress, AIMIM, and AAP challenging it in the Supreme Court. They argue the bill could adversely affect waqf oversight.

Punjab-born surgeon killed in US plane crash; husband was the pilot

Agency: Punjab-born surgeon Joy Saini and five of her family members were killed in a plane crash in New York. The small aircraft, which was being piloted by her husband, Michael Groff, was en route from Westchester County Airport in White Plains to Columbia County Airport. Saini had immigrated to the US with her parents. The plane with Saini and her family members crashed just 10 miles short of its destination, according to the Associated Press. On board were the couple's children, Karenna and Jared Goff, Jared's partner, Alexia Couyutas Duarte, and Karenna's boyfriend, James Santoro. Their third child, Anika, was not on the flight. The family was headed to the Catskills for a joint birthday and Passover celebration. The plane took off Saturday morning, with the group expected to arrive by noon. The National Transportation Safety Board (NTSB) reported that the aircraft crashed south of the intended airport. Todd Inman, an NTSB official, said the plane was "compressed, buckled and embedded in the terrain." Moments before the crash, Michael Groff had contacted Columbia County Airport's control tower, reporting a missed approach and requesting permission to try landing again. A video recovered by investigators shows the aircraft intact until the final seconds before it plunged to the ground at a steep descent. Karenna Groff, a standout athlete and biomedical engineering graduate from MIT, has received the 2022 NCAA Woman of the Year award.

Drugs valued at Rs 1,800 cr dumped in sea off Gujarat seized

Agency: The Gujarat Anti-Terrorist Squad (ATS) and the Coast Guard have seized 300 kg of drugs valued at Rs 1,800 crore which were dumped into the Arabian Sea by smugglers before fleeing across the international boundary line, officials said on Monday. The seized contraband is suspected to be methamphetamine and has been handed over to the ATS for further probe, a release by the Indian Coast Guard (ICG) said. The ATS and the Coast Guard carried out the joint operation near the International Maritime Boundary Line (IMBL) in the Arabian Sea off Gujarat on the intervening night of April 12 and 13, said the release. Upon seeing the approaching Coast Guard ship, the smugglers, who were on a boat, dumped the contraband into the sea and fled across the IMBL, it said. "In an overnight operation on April 12-13, the Indian Coast Guard undertook an intelligence based anti-narcotics operation at the sea jointly with the Gujarat ATS. More than 300 kg of narcotics approximately valued at Rs 1,800 crore have been seized."